Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 309
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-शनिवार,07 मार्च 2026

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित किया,हंगामे | 4 भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला | 5 'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो'; पश्चिम एशिया

ओडिशा में गरजे अमित शाह

31 मार्च तक देश से नक्सलवाद का होगा खात्मा: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दोहराया कि सुरक्षा बल 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प को पूरा करेंगे। कटक में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए अमित शाह ने नक्सलवाद के उन्मूलन में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सीआईएसएफ ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना, सीआईएसएफ ने नक्सलवाद के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बल तिरुपति से पशुपति तक रेड कॉरिडोर बनाने और अपना वर्चस्व स्थापित करने का सपना देखने वालों को पूरी तरह से पराजित करेंगे। अमित शाह ने देश के लिए सीआईएसएफ कर्मियों के वीरता और आत्मबलिदान की सराहना करते हुए उनकी सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 56 वर्षों में, सीआईएसएफ ने न केवल अपने मूल उद्देश्य को पूरा किया है, बल्कि हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को रूपांतरित भी किया है। वीरता और बलिदान भारत के गौरवशाली इतिहास की पहचान हैं। इन गुणों को समर्पण के साथ जोड़ते हुए और आधुनिक हथियारों से लैस होकर, सीआईएसएफ ने हर तरह की चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाया है। मैं बल के सभी कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। शाह ओडिशा के कटक जिले के मुंडाली स्थित खारवेला क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री का भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने स्वागत किया, जब वे विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए राज्य पहुंचे थे। अमित शाह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के परिसर में स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) का भूमि पूजन भी करेंगे। शाह भुवनेश्वर में 'नई न्याय संहिता' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे और एक मोबाइल फोरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाएंगे।

चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया शुभारंभ

पर्यटन को मिलेगी नई ऊंचाई

नई टिहरी (एजेंसी)। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महोत्सव का शुभारंभ किया। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव का कोटी कालोनी में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन किया। टिहरी झील में 6 से 9 मार्च तक आयोजित लेक फेस्टिवल पर्यटन को नई ऊंचाई देगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद व जिला प्रशासन ने कमर कसी हुई है। चार दिन तक आयोजित होने वाले फेस्टिवल में विभिन्न तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएगी। फेस्टिवल का उद्देश्य टिहरी जिले को प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाते हुए, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करना है। उन्होंने बताया कि इस दौरान ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों के साथ ही स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, मास्टर शेफ प्रतियोगिता, लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए फैशन शो, फोटोग्राफी जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। एक लाख रुपये तक पुरस्कार जीतने का मौका आयोजन के दौरान अलग- अलग स्थानों पर मास्टर शेफ, फोटोग्राफी, पेंटिंग, सोशल मीडिया रील, ग्रुप फैशन शो, मिस्टर एंड मिस टिहरी, राफ्टिंग, रैप सिंगिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। जिसमें प्रथम विजेता एक लाख रुपए तक का पुरस्कार जीत सकता है, इसी तरह दूसरे स्थान का विजेता 50 हजार, तीसरे स्थान का विजेता 25 हजार रुपए का पुरस्कार जीत सकता है।

एमडीएमए तस्करों की महिलाओं ने आत्मदाह की पुलिस को दी धमकी

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार थाना क्षेत्र में नशीला पदार्थ एमडीएमए फैक्ट्री तोड़ने पहुंची पुलिस एवं प्रशासन के सामने फरार एवं गिरफ्तार तस्करों की महिलाओं ने खुद पर डीजल, पेट्रोल उड़ेलने के साथ घर में आग लगा दी और कारवाई नहीं होने दी। वृत्ताधिकारी शिवन्या सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गत जनवरी में पुलिस ने जीवानायकों का खेड़ा में जगदीश बंजारा के मकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में एमडीएमए रसायन, ड्रोन एवं अन्य उपकरण के अलावा 14 लाख रुपये नगद पकड़कर मादक पदार्थ फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था तब मौके से जगदीश एवं उसके दोनों पुत्र फरार हो गये थे। इनमें जगदीश को हाल ही में पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थ के तस्करों के विरुद्ध अभियान के तहत पुलिस ने गंगरार तहसील से उक्त फैक्ट्री स्थल के कागजात मांगे तो वहां पर इस सम्पत्ति के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। इस पर न्यायालय तहसीलदार से इस सम्पत्ति को ध्वस्त करने के आदेश लेकर वह खुद, थानाधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के साथ भारी मात्रा में पुलिस दल लेकर पहुंचे, तो मौके पर ग्रामीण एकत्र होकर विरोध करने लगे।

सैयद अता हसनैन बने बिहार के नए राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया स्वागत

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को राज्य का नया राज्यपाल नियुक्त किए जाने का स्वागत किया और कहा कि रक्षा क्षेत्र में उनके व्यापक अनुभव से राज्य को लाभ मिलेगा। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी इस नियुक्ति का स्वागत किया। हसनैन ने बिहार के राज्यपाल के रूप में आरिफ मोहम्मद खान का स्थान लिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बृहस्पतिवार देर रात कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल पदों पर किए गए बड़े फेरबदल के तहत यह नियुक्ति की गई। चौधरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नए राज्यपाल का राष्ट्र की सेवा में अनुभव, अनुशासन और दूरदृष्टि बिहार के विकास और सुशासन को नई दिशा देंगे।

तमिलनाडु के निजी स्कूलों में सियासी और धार्मिक कार्यक्रमों पर लगी रोक

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों के कैंपस में राजनीतिक, वैचारिक या सामुदायिक गतिविधियों पर आधिकारिक रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि स्कूल कैंपस को केवल पढ़ाई के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 2 मार्च को एक सरकारी आदेश जारी किया। इसके तहत तमिलनाडु निजी स्कूल (रेगुलेशन) नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि स्कूल के संसाधनों का इस्तेमाल केवल छात्रों की भलाई और पढ़ाई के लिए हो। नए नियमों के अनुसार, स्कूल की किसी भी जगह का इस्तेमाल कोई बाहरी व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। इसमें स्कूल की बिल्डिंग, खेल का मैदान और हॉल शामिल हैं। कोई भी संस्था यहां राजनीतिक मीटिंग, प्रचार या किसी खास विचारधारा से जुड़ा कार्यक्रम नहीं कर पाएगी। सरकार ने उन गतिविधियों को खास तौर पर निशाना बनाया है जिनसे धर्म, जाति या भाषा के आधार पर नफरत फैलने का खतरा हो।

वेबिनार में प्रधानमंत्री बोले,कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा से भरना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने किसानों का जोखिम कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए जो पहल किये हैं उनके परिणाम दिख रहे हैं। पीएम मोदी ने बजट के पश्चात राष्ट्रीय वेबीनार की श्रृंखला में शुक्रवार को तीसरी वेबीनार का उद्घाटन करते हुए कहा कि करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की पीएम किसान सम्मान निधि मिली है। दिन भर के इस वेबीनार का विषय कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में हुए सुधारों से अब किसानों को उनकी उपज पर डेढ़ गुना तक प्रतिफल मिल रहा है। किसानों को अब तीन चौथाई कर्ज संस्थागत क्षेत्र से मिल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्संस्थागत क्रेडिट कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों के समाधान किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी

ने कहा, ऐसे अनेक प्रयासों से किसानों का जोखिम बहुत कम हुआ है और उन्हें एक बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। हम फसल विविधता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन, दोनों ही कृषि क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति को और आगे ले जाने के लिए हमें वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत अब टीकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका (फुट एंड माउथ) रोग से बचाने के लिए अब तक 125 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। श्री मोदी ने कहा कि ये टेक्नोलॉजी की सदी है, और सरकार का बहुत जोर कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी संस्कृति लाने पर भी है। प्रधानमंत्री ने वेबिनार में शामिल लोगों से भारतीय कृषि के भविष्य के बारे में सोने और योजनाओं के क्रियान्वयन को कारगर बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, आज दुनिया स्वास्थ्य के संबंध में ज्यादा सतर्क है। समग्र स्वास्थ्य और उसमें ऑर्गेनिक भोजन पर बहुत रुचि है। भारत में हमें रसायनिक मुक्त खेती पर बल देना ही होगा।

जशपुर में ब्रेक फेल होने के बाद पलटी बस, पांच की मौत, 20 से अधिक यात्री घायल

लोगों ने बचाई कई जिंदगियां

जशपुर (एजेंसी)। जशपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। झारखंड के कुरडेग से कुनकुरी आ रही यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इनमें से चार गंभीर घायलों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कलेक्टर रोहित व्यास ने घटना की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार अनमोल बस (उऋ14 ऋ0263) करडेगा (झारखंड) से कुनकुरी की ओर आ रही थी। सुबह करीब 9:45 बजे करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़अंबा गांव में ढलान के दौरान बस का ब्रेक फेल हो गया। बस में सवार एक यात्री ने बस रोकने के लिए कहा, तभी

कंडक्टर ने चिल्लाकर बताया कि बस का ब्रेक फेल हो गया है। कुछ ही क्षण बाद बस अनियंत्रित होकर सुरेंद्र साय के निमार्णाधीन आवास के पास पलट गई। बस में दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर तीन एम्बुलेंस भेजी गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय लोगों ने बचाई कई जिंदगियां

घटना के बाद गोड़अंबा गांव के निवासी दिगंबर यादव ने तुरंत मदद के लिए पहल की। उनके साथ सरपंच पति शिवशंकर साय, उपसरपंच दशरथ प्रसाद यादव और प्रभाशंकर यादव ने मिलकर प्रशासन को सूचना दी। जेसीबी की मदद से बस को हटाकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। इन लोगों की हुई मौत ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कुनकुरी डॉ. श्रीमती के. कुजूर ने हादसे में 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-पुत्र शामिल हैं।

महेश राम (45) पिता रथु राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला

बिमला (42) पति महेश राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला (पति-पत्नी)

संपति देवी (52) पति केशवर राम, जिला सिमडेगा, झारखंड

दिगेश्वर (40) पिता दिलभजन, ग्राम ढोढी, तहसील कुरडेग, जिला सिमडेगा, झारखंड

घनश्याम (5 माह) पिता दिगेश्वर, ग्राम ढोढी, जिला सिमडेगा (पिता-पुत्र)

घायलों का चल रहा इलाज

घायलों का इलाज कुनकुरी, जिला अस्पताल और अन्य अस्पतालों में किया जा रहा है।

'अंधकार की ओर बढ़ रहे राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान

कोल्लम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा दौर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, एक-दूसरे को समझने का कोई प्रयास नहीं किया जाता और असहमति के मामलों में हिंसा का सहारा लिया जाता है। असहमति को दबाने का आरोप लगाया उन्होंने कहा, आज हम राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देख रहे हैं कि हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने के प्रयास नहीं किया जाता है। बस, बम गिराकर उन्हें मार डाला जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे यहां की राजनीति में भी यही हाल है। अगर आप किसी से सहमत नहीं होते, तो आप उस पर हमला करते हैं या उसके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और समाज सुधार संत श्री नारायण गुरु की मुलाकात की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित

कर रहे थे। महात्मा गांधी और नारायण गुरु का दिया उदाहरण उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ही इस तरह की हिंसा के विरोधी थे और जनता के बीच प्रेम, सम्मान, क्षमता और समझदारी की पैरवी करते थे। अपने संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि संविधान में भी वे मूल्य समाहित हैं, जिनकी पैरवी नारायण गुरु और महात्मा गांधी ने की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी ने उस समय दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ाई लड़ी थी और उनके साथ जो कुछ भी किया गया, उन पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। (महात्मा) गांधी उस मजबूत व्यवस्था के खिलाफ अपने संघर्ष के दौरान नारायण गुरु जैसे लोगों से प्रेरित हुए और उनसे बातचीत की।

मिडल ईस्ट संकट पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का बयान, कहा, जो हो रहा वो सामान्य नहीं, पूरी दुनिया पर पड़ेगा असर

कोलकाता (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि बदलती भू-राजनीति के इस दौर में महासागर एक बार फिर दुनिया के शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं और भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास एवं क्षमता के साथ नेतृत्व प्रदान करे। सिंह ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम बेहद असामान्य हैं और क्षेत्र की स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, पश्चिम

एशिया में जो हो रहा है, वह बेहद असामान्य है। इस समय इस पर कोई ठोस टिप्पणी करना कठिन है कि पश्चिम एशिया में परिस्थितियां आगे किस दिशा में जाएंगी। उन्होंने कहा, यदि हम होर्मुज जलडमरूमध्य या फारस की खाड़ी के पूरे क्षेत्र को देखें तो यह दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जब इस क्षेत्र में अशांति या व्यवधान होता है तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। उन्होंने कहा, आज हम केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। इन अनिश्चितताओं का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर पड़ता है।

सुखोई विमान हादसे पर रक्षामंत्री ने जताया शोक, राहुल गाँधी ने शहीद पायलटों के परिवारों के प्रति संवेदना की जाहिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त सुखोई विमान हादसे में वायु सेना के दो पायलटों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद किया जाएगा।दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

वायरल तस्वीर

गौरतलब है कि वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई-30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में दोनों वीर पायलटों की मौत हो गयी। वायु सेना ने शुक्रवार को इन दोनों पायलटों के निधन की पुष्टि की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वायु सेवा के सुखोई विमान दुर्घटना में दो पायलटों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को अपने शोक संदेश में कहा, भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज एवं फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर का विमान दुर्घटना में शहीद होने का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। भारत के इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

'कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकत', वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया में कोई भी देश पूरी तरह से वैश्विक प्रभुत्व (हेजेमनी) नहीं रखता है और आने वाला समय बहुध्रुवीय विश्व का होगा। रायसीना डायलॉग 2026 में विदेश मंत्री ने यह बात कही। वैश्विक शासन का बदलता स्वरूप रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, 'जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के

लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी। दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था। उन्होंने कहा कि पिछले 70 साल को अगर इतिहास के नजरिए से देखें तो यह भारत के हजारों साल के इतिहास का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, इसलिए दुनिया का बदलना स्वाभाविक है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें काम कर रही हैं तकनीक (टेक्नोलॉजी) और जनसंख्या का स्वरूप (डेमोग्राफी)। आने वाले दशक में यही दोनों कारक दुनिया की दिशा तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक राजनीति का विश्लेषण अक्सर अमेरिका के इर्द-गिर्द किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे-धीरे कई ताकतों में बंट रही है। अब कोई भी देश ऐसा नहीं है, जो हर क्षेत्र-जैसे अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति, तकनीक या कूटनीति में पूरी तरह से हावी हो। विदेश मंत्री के मुताबिक आज ताकत का मतलब सिर्फ जीडीपी या सैन्य शक्ति नहीं रह गया है।

स्टील, आयरन ओर और फर्टिलाइजर ट्रैफिक में अच्छी ग्रोथ से रेलवे को फरवरी में 14,571 करोड़ का फ्रेट रेवेन्यू कमाने में मदद मिली

गोरखपुरः इंडियन रेलवे कोयला, स्टील, फर्टिलाइजर, सीमेंट, अनाज और कंटेनर जैसी जरूरी चीजों का अच्छे से ट्रांसपोर्टेशन पक्का करके देश की आर्थिक गतिविधियों को सपोर्ट करने में अहम भूमिका निभा रहा है। फरवरी 2026 में माल ढुलाई के काम में पिछले साल इसी समय की तुलना में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो सभी सेक्टर में रेल-बेस्ड लॉजिस्टिक्स की लगातार मांग को दिखाता है। फरवरी 2026 के दौरान, इंडियन रेलवे ने 137.72 मिलियन टन माल ढोया, जो फरवरी 2025 में 132.48 मिलियन टन की तुलना में 3.96% ज्यादा है। इस महीने माल ढुलाई से होने वाला रेवेन्यू ?14,571.99 करोड़ रहा, जो पिछले साल इसी महीने के ?14,151.96 करोड़ से 2.97% ज्यादा है। रेलवे ने ट्रांसपोर्ट आउटपुट के मामले में भी अच्छा परफॉर्म किया। नेट टन किलोमीटर , जो माल ढुलाई का एक मुख्य इंडिकेटर है, फरवरी 2026 में 76,007 मिलियन नेट टन किलोमीटर तक पहुंच गया, जबकि फरवरी 2025 में यह 72,955 मिलियन नेट टन किलोमीटर था, जिससे 4.18% की बढ़ोतरी हुई। कोर कमोडिटीज से ग्रोथ माल ढुलाई का एक बड़ा हिस्सा कोर सेक्टर कमोडिटीज से ही चलता है। महीने के दौरान, इंडियन रेलवे ने बड़ी मात्रा में कोयला, आयरन ओर, तैयार स्टील, फर्टिलाइजर, सीमेंट और कंटेनर ट्रैफिक ट्रांसपोर्ट किया। तैयार स्टील, आयरन ओर और फर्टिलाइजर जैसी कमोडिटीज में बढ़ोतरी ने ओवरऑल माल ढुलाई परफॉर्मेंस में अहम योगदान दिया। मुख्य कमोडिटीज का परफॉर्मेंस भी अच्छा रहा। डेली फ्रेट लोडिंग पोजीशन में, आयरन ओर, पिग आयरन और तैयार स्टील, स्टील प्लांट्स के लिए रॉ मटीरियल (आयरन ओर को छोड़कर), फर्टिलाइजर, मिनरल ऑयल और कंटेनर एक्द्ब ट्रैफिक जैसी कमोडिटीज में साल-दर-साल अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई। आयरन ओर की लोडिंग पिछले साल के 0.529 मिलियन टन (27.6% ज्यादा) की तुलना में 0.675 मिलियन टन रही, जबकि पिग आयरन और फिनिश्ड स्टील पिछले साल के 0.284 मिलियन टन (20.8% ज्यादा) की तुलना में 0.343 मिलियन टन रजिस्टर हुआ। स्टील प्लांट्स के लिए रॉ मटेरियल (आयरन ओर को छोड़कर) 0.096 मिलियन टन से बढ़कर 0.141 मिलियन टन हो गया (46.9% ज्यादा)। इसी तरह, फर्टिलाइजर लोडिंग 0.167 मिलियन टन से बढ़कर 0.184 मिलियन टन (10.2% ज्यादा), मिनरल ऑयल 0.146 मिलियन टन से बढ़कर 0.172 मिलियन टन (17.8% ज्यादा), और कंटेनर एक्द्ब ट्रैफिक 0.213 मिलियन टन से बढ़कर 0.251 मिलियन टन (17.8% ज्यादा) हो गया। फरवरी के मंथली कुल परफॉर्मेंस में, कई कमोडिटीज ने पिछले साल इसी समय की तुलना में अच्छी ग्रोथ दर्ज की। फर्टिलाइजर लोडिंग 4.224 मिलियन टन से बढ़कर 5.396 मिलियन टन हो गई (27.7% ज्यादा), जबकि क्लिंकर 5.421 मिलियन टन से बढ़कर 6.508 मिलियन टन हो गई (20.1% ज्यादा)। पिग आयरन और फिनिश्ड स्टील लोडिंग 5.522 मिलियन टन से बढ़कर 6.237 मिलियन टन हो गई (12.9% ज्यादा), और आयरन ओर 14.925 मिलियन टन से बढ़कर 16.370 मिलियन टन हो गई (9.7% ज्यादा)। कंटेनर एक्द्ब ट्रैफिक (5.432 मिलियन टन बनाम 5.142 मिलियन टन, 5.6% ज्यादा) और कंटेनर डोमेस्टिक ट्रैफिक (2.015 मिलियन टन बनाम 1.970 मिलियन टन, 2.3% ज्यादा) में भी बढ़ोतरी देखी गई, जो मुख्य इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स सेगमेंट में लगातार डिमांड दिखाता है। रेल माल ढुलाई बल्क सामान के ट्रांसपोर्टेशन के सबसे सस्ते और पर्यावरण के लिए अच्छे तरीकों में से एक है, जो इंडस्ट्रीज को कच्चे माल और तैयार प्रोडक्ट्स को लंबी दूरी तक भरोसेमंद और सस्ते तरीके से ले जाने में मदद करता है। वित्तीय वर्ष 2025झ्र26 में कुल फ्रेट परफॉर्मेंस शानदार रहा इंडियन रेलवे ने भी मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में कुल फ्रेट परफॉर्मेंस में पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है। 1 अप्रैल 2025 से 28 फरवरी 2026 के दौरान, इंडियन रेलवे ने 1,503.80 मिलियन टन फ्रेट ढोया, जबकि पिछले साल इसी समय में 1,456.07 मिलियन टन फ्रेट ढोया गया था, यानी 3.28% की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान फ्रेट रेवेन्यू 1,60,987 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी समय में यह 1,58,539.86 करोड़ था, यानी 1.54% की बढ़ोतरी हुई। नेट टन किलोमीटर में मापा गया कुल फ्रेट मूवमेंट 840,000 मिलियन रहा, जबकि पिछले साल यह 826,586 मिलियन नेट टन किलोमीटर था, यानी 1.62% की बढ़ोतरी हुई। इकोनॉमिक ग्रोथ और नेशनल लॉजिस्टिक्स को सपोर्ट करना इंडियन रेलवे कैपेसिटी बढ़ाने, बेहतर टर्मिनल इंफ्रास्ट्रक्चर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और डिजिटल फ्रेट मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए फ्रेट लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना जारी रखे हुए है।

2026 के लिये 06 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 06 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 290 बर्थ तथा 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 07 एवं शयनयान श्रेणी में 386 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 99, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 285 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 59 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 342, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 129 एवं शयनयान श्रेणी में 120 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 11 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 176 बर्थ तथा 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 437 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 10 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी 53 एवं शयनयान श्रेणी में 316 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 54 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 197 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04730 गोरखपुर-श्री गंगानगर विशेष गाड़ी में 13 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 26, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 45 एवं शयनयान श्रेणी में 242 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 13 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 57 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 08 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 09 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 18 बर्थ तथा 15 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 59 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 253 बर्थ उपलब्ध हैं।.

वित्त वर्ष 2025-26 में पूर्वोत्तर रेलवे को माल लदान से कुल रू. 411 करोड़ से अधिक की आय

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा व्यापारियों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों को दी जा रही उन्नत सुविधाओं तथा मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों के सुनियोजित प्रयासों से पूर्वोत्तर रेलवे पर माल लदान में वृद्धि का क्रम जारी है। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह फरवरी, 2026 तक कुल 3.776 मिलियन टन माल लदान हुआ, जिससे रू. 411.449 करोड़ की आय हुई है तथा माह फरवरी, 2026 में कुल 0.255 मिलियन टन माल का लदान हुआ, जिससे रू. 24.349 करोड़ की आय हुई। रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समेकित प्रयासों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे पर वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह फरवरी, 2026 तक कुल 3.776 मिलियन टन माल लदान हुआ, जो गत वित्त वर्ष की इसी अवधि में कुल माल लदान 3.636 मिलियन टन की तुलना में 3.85 प्रतिशत अधिक है।

1.19 लाख की नकली मुद्रा...आठ अरेस्ट, लैपटॉप-प्रिंटर, उपकरण व कार बरामद

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ पहले भी चोरी सहित अन्य मामले में प्राथमिकी दर्ज है। गिरोह का सरगना फरार बताय**ा जा र**हा है।आजमगढ़ के रौनापार थाने की पुलिस ने जाली करेंसी बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से 1.19 लाख रुपये की जाली मुद्रा, जाली नोट छापने के उपकरण, लैपटॉप, प्रिंटर, एक कार और सात मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि क्षेत्राधिकारी सगड़ी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मंतोष सिंह की टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि टेकनपुर पुलिया के पास एक सफेद कार में कुछ लोग जाली नोटों का लेन-देन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की तीन टीमों ने घेराबंदी कर नितिन सिंह उर्फ भोला, ऋषिकेश सिंह उर्फ शनि, अभिषेक सिंह उर्फ कान्हा, आदित्य सिंह उर्फ चंकी, शिवम सिंह उर्फ विदुर, मुन्ना पांडेय समेत छह लोगों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और उनकी निशानदेही पर पुलिस ने बाद में ग्राम जगदीशपुर से मनोज कुमार और रुद्र पांडेय को भी जाली नोट बनाने में प्रयुक्त उपकरणों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। लैपटॉप-प्रिंटर से छापते थे जाली नोट आजमगढ़। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह का सरगना मनीष मिश्रा है।

नाले में गिरने से अधेड़ की मौत, रातभर तलाशता रहा परिवार, सुबह पेट्रोल पंप के पास मिला शव

कानपुर। पनकी के शताब्दी नगर में नाले में गिरने से एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक शराब के नशे में थे और पुलिया से गिर गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के शताब्दी नगर रोड पेट्रोल पंप के पास में गुरुवार घर से निकला अधेड़ नाले में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पनकी के रतनपुर कॉलोनी निवासी विजय सिंह (55) एक कंपनी में मैनेजर थे। परिवार में पत्नी सविता और बेटा विकास हैं। परिजनों के अनुसार गुरुवार की साम को घर से बाजार जाने की बात कह कर निकले थे। देर रात पर भी जब विजय वापस घर नहीं लौटे, तो बेटे विकास ने तलाश शुरू की। शुक्रवार सुबह शताब्दी नगर स्थित पेट्रोल पंप के पास नाले के पास भीड़ लगी देखी, तभी उन्हें पिता नाले में पड़े मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकाला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी अग्रिम कार्रवाई थाना प्रभारी मनोज कुमार भदोरिया ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि मृतक शराब का लती था। कल शाम को नशे की हालत पर नाले की पुलिया के पास लोगों ने बैठा देखा था। हो सकता है कि नाले में गिर गया हो। अग्रिम कार्रवाई पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

जूही में फर्नीचर गोदाम तो बर्रा में कबाड़ के ढेर में लगी आग, दमकल ने कड़ी मशक्कत से पाया काबू

कानपुर। जूही और बर्रा में शुक्रवार को आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हुईं। जूही में आठ लाख का फर्नीचर जला, जबकि बर्रा में सीएफओ के नेतृत्व में सात गाड़ियों ने कबाड़ में लगी आग पर काबू पाया। कानपुर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शुक्रवार को आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। जूही में जहां शॉर्ट सर्किट ने फर्नीचर गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं, बर्रा थाना क्षेत्र में मुस्कान ढाबा के पास कबाड़ के ढेर में भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि दोनों ही घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई और दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया। जूही में फर्नीचर गोदाम खाक जूही थाना क्षेत्र के धर्मकांटा चौराहे के पास स्थित पप्पू शर्मा के फर्नीचर गोदाम में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही जूही पुलिस और दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दुकानदार पप्पू शर्मा के अनुसार, आग की जानकारी समय रहते मिल गई थी, जिसके चलते स्थानीय लोगों की मदद से काफी सामान सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, इस अग्निकांड में करीब आठ लाख रुपये का फर्नीचर जलकर राख हो गया है। बर्रा में कबाड़ के ढेर में लगी आग वहीं, बर्रा थाना क्षेत्र में मुस्कान ढाबा के पास स्थित कबाड़ में भीषण आग लगने की सूचना मिली। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सीओएफओ कानपुर खुद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सात अग्निशमन यूनिट्स ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। दमकल कर्मियों ने अथक परिश्रम के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

लखनऊ एवं इज्जतनगर मंडलों में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे

गोरखपुर,: अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे पर महिला सशक्तिकरण को समर्पित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में, सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 08 मार्च, 2026 को प्रातः 07.30 बजे से एक ह्यशक्ति वॉकह्य का आयोजन किया जायेगा, जिसमें महिला खिलाड़ी एवं महिला रेल कर्मी प्रतिभाग करेंगी। 11 मार्च, 2026 को महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर की उपस्थिति में रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में 15.30 बजे से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 08 मार्च, 2026 को गोरखपुर जं. स्टेशन के रूट रिले इंटरलॉकिंग (आर.आर.आई.) पैनल, स्टेशन संचालन, टिकट बुकिंग, स्टेशन की साफ-सफाई तथा सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा निभाई जायेगी। इसके अतिरिक्त वाराणसी, लखनऊ एवं इज्जतनगर मंडलों में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। विदित है कि यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में नॉन ए.सी. ट्रिमिंग शॉप पूरी तरह से महिला रेल कर्मियों द्वारा संचालित किया जाता है। लखनऊ मंडल का लखनऊ सिटी स्टेशन पूर्ण रूपेण महिला कर्मियों द्वारा संचालित किया जा रहा है। भारतीय रेल पर आज महिलायें प्रशासनिक पदों के साथ ही लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड) सहित ट्रेन संचालन, सिगनलिंग, टिकट जांच एवं अन्य तकनीकी पदों पर सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 07 मार्च, 2026 को मंडल रेल प्रबन्धक/इज्जतनगर सुश्री वीणा सिन्हा की उपस्थिति में अधिकारी क्लब, इज्जतनगर में 09.30 बजे से 13.00 बजे तक स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्वास्थ्य सम्बन्धी विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा। वाराणसी मंडल पर सवारी ट्रेनों का संचालन महिला लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर (गार्ड) द्वारा किया जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गोरखपुर जं. स्टेशन पर टिकट जांच, यात्री आरक्षण, टिकट बुकिंग, साफ-सफाई एवं सुरक्षा का कार्य भी महिला रेल कर्मियों द्वारा किया जायेगा। कोचिंग डिपो में तैनात महिला तकनीशियनों द्वारा ट्रेनों के अनुरक्षण का कार्य किया जायेगा। मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री, गोरखपुर में लिनेन की धुलाई एवं उनके रख-रखाव का पूरा कार्य महिला कर्मियों द्वारा किया जायेगा। यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना डॉ० सुनील कुमार शर्मा की उपस्थिति में समाज में महिलाओं की भूमिका एवं उनके सशक्तिकरण के महत्व के परिप्रेक्ष्य में महिला सशक्तिकरणह्य पुस्तक का विमोचन किया जायेगा। साथ ही ह्यमहिला सशक्तिकरणह्य विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मियों का उत्साहवर्धन किया जायेगा। महिला रेल कर्मियों एवं महिला यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर वात्सल्य (शिशु स्तनपान कक्ष) का प्रावधान किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिये ह्यमेरी सहेलीह्य अभियान संचालित किया जा रहा है। ह्यमेरी सहेलीह्य अभियान में महिला आर.पी.एफ. कर्मचारियों की एक टीम सम्मिलित है, जो अकेली यात्रा कर रही महिला यात्रियों से मिलकर उन्हें आश्वासन देती है कि रेलवे उनकी देखभाल करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस रेलवे के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर मेरी सहेली टीम का गठन किया गया है, जो महिला यात्रियों की शिकायतों पर उन्हें त्वरित सहायता सुनिश्चित करती हैं। मेरी सहेली टीम यात्रा के दौरान किसी तरह की शिकायत के लिये रेलवे हेल्पलाइन 139 के बारे में उन्हें जागरूक करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली से घर आ रहा युवक लापता

कप्तानगंज। दिल्ली से घर आ रहा युवक रास्ते से लापता हो गया है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। मामले की सूचना कप्तानगंज पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।कप्तानगंज थाना क्षेत्र के थूहा गांव के रहने वाले लवकुश एक पैर से दिव्यांग है। बिहरा चौराहे पर सैलून की दुकान चलाकर वह अपने परिवार का गुजारा करता है। 28 फरवरी की शाम को वह ट्रेन से दिल्ली गए थे। तीन मार्च को वह दिल्ली से घर आने के लिए ट्रेन पर बैठे थे। पत्नी गुड़िया को वह फोन करके घर लौटने की बात भी बताई। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। अगले दिन चार मार्च को लवकुश जब घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

पुलिस ने 28 वाहनों का काटा चालान

मुंडेरवा। पर्व के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंडेरवा पुलिस ने विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। अहरा मोड़, देवरिया माफी, कुरियार, खजौला आदि स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन चेकिंग की गई। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 28 वाहनों का चालान किया गया। 25,500 रुपये का ई-चालान किया गया।

लोन के लिए पांच हजार आवेदन आए, सिर्फ 1588 को मंजूरी

बस्ती। बेरोजगार युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा योजना) में बैंक कर्मी ही अड़ंगा बन गए हैं। इससे यह योजना का लाभ आसानी से युवाओं को नहीं मिल पा रहा है। बताते हैं कि इस योजना ने युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में मजबूत कदम उठाने का अवसर प्रदान किया है। इस योजना से जुड़कर बड़ी संख्या में युवा अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। बताते हैं कि जनपद में वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य के अनुसार पांच हजार युवाओं ने उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण के लिए बैंक में आवेदन किया। इस योजना के अंतर्गत अब तक जिले में 1588 का आवेदन ऋण के लिए स्वीकृत हुआ है, जबकि अन्य का आवेदन जांच में लटका हुआ है। बैंक अधिकारियों के अनुसार, बैंक स्तर पर कुछ प्रकरणों में दस्तावेजी औपचारिकताओं के कारण प्रक्रिया में समय लग रहा है। इस मामले को लेकर सीडीओ सार्थक अग्रवाल नाराजगी जता चुके हैं। लीड बैंक मैनेजर आरएन मौर्य का कहना है कि जिन बैंकों में ऋण के लिए आवेदन हैं उसकी जांच कराई जा रही है।

हाईवे पर हादसा हुआ तो 15 मिनट में पहुंचेगी एंबुलेंस

बस्ती। एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब हाईवे पर किसी भी दुर्घटना की सूचना मिलने के 15 मिनट के भीतर एंबुलेंस मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू करेगी। बताया कि एनएचएआई के निर्देश पर दो अत्याधुनिक एंबुलेंस पेट्रोलिंग कर रही हैं। ये एंबुलेंस अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों से लैस हैं, जिससे घायलों को तत्काल प्राथमिक इलाज उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही हाईवे की सुरक्षा और त्वरित राहत कार्य के लिए 50 कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ये कर्मचारी 24 घंटे अलग-अलग प्वाइंट पर निगरानी रख रहे हैं। दुर्घटना या किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1033 पर सूचना दी जा सकती है। सूचना मिलते ही एनएचएआई की टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर मदद करेगी। इस पहल का उद्देश्य ह्यगोल्डन ऑवरह्न के भीतर घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाना है।

गोहत्या मामले में वांछित दो आरोपी दबोचे

वॉल्टरगंज। पुलिस ने गोहत्या में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के परसालालशाही गांव के पोखरे में एक मार्च को मिले गोवंश के अवशेष के मामले में थाना क्षेत्र के पडिया खास गांव के पास से दो आरोपियों की और गिरफ्तारी की गई है। आरोपियों में गुलाम रसूल तथा मुहम्मद नफीस निवासी गण मझौआमीर थाना वॉल्टरगंज शामिल हैं। दोनों को विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया वहां से वे जेल भेज दिए गए।

माझा में कच्ची शराब की भट्ठियों की ड्रोन कैमरे से हुई निगरानी

बस्ती। इस बार होली से तीन पहले ही पुलिस और आबकारी की टीम सरयू के दियारा क्षेत्र में कच्ची शराब के धंधे पर अंकुश लगाने के लिए अलर्ट हो गई थी। एसपी डॉ. यशवीर सिंह के नेतृत्व में दुबौलिया, कलवारी, छावनी, परशुरामपुर थाना, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के माझा और अन्य जंगल और नदी के तटीय क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरू करा दी गई। पुलिस और आबकारी टीम के सख्ती के चलते कच्ची शराब के धंधेबाज इस बार भूमिगत हो गए। कच्ची शराब निर्माण के मामले में सबसे संवेदनशील क्षेत्र दुबौलिया और छावनी थाना क्षेत्र के सरयू के किनारे माझा क्षेत्र में भट्ठियां नहीं धधकने पाईं। पिछले साल पुलिस ने बालू के नीचे खोदे गए गड्ढे में भारी मात्रा लहन, कच्ची शराब बनाने के पात्र और अन्य उपकरण एवं रसायन बरामद किए थे। इस बार पुलिस आबकारी विभाग से समन्वय स्थापित कर पहले से ही सजग हो गई। होली के तीन दिन पहले से ही थानेवार पुलिस की टीम कैमरों से संवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लेने में जुट गई। इसके बाद धंधेबाज सकते में आ गए। पुलिस के डर अधिकांश चर्चित अड्डों पर सन्नाटा छाया रहा।

होली खुमार में घायल होकर 17 लोग पहुंचे अस्पताल

बस्ती। होली पर्व पर कोई सड़क दुर्घटना में घायल हुआ तो कोई स्वयं चोटिल हुआ। वहीं एक प्वाइजनिंग पीड़ित जिला अस्पताल पहुंचा। सभी का उपचार चल रहा है। होली पर्व पर नशे के शौकीन सड़क दुर्घटना में घायल हुए तो घर के बजाय सीधे अस्पताल आए। किसी के पैर में चोट आई तो किसी के हाथ व सिर में। कुछ लोगों के चेहरे पर चोट आई। ऐसे लोग अस्पताल पहुंचे। जहां उनका उपचार किया गया। हल्की चोट वालों का ड्रेसिंग कर घर भेज दिया गया। ज्यादा चोट वालों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में होली के दिन कुल 17 घायल पहुंचे। इसमें तीन सड़क दुर्घटना में घायल थे, 14 स्वयं से चोटिल हुए थे। वहीं एक प्वाइजनिंग का केस शामिल है।

हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर

महादेवा। लालगंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। बलरामपुर जनपद निवासी अमित शुक्ला (30) पुत्र राम प्रसाद शुक्ला लालगंज क्षेत्र में स्थित गन्ना क्रय केंद्र पर कांटा बाबू के पद पर तैनात हैं। रात लगभग 8 बजे वह अपने एक साथी के साथ बाइक से लालगंज से महादेवा की ओर जा रहे थे। वह गौराधुंधा गांव के पास पहुंचे थे कि सड़क किनारे महादेवा की तरफ मुंह करके खड़ी गन्ना लदी घिर्री में पीछे की तरफ से उनकी बाइक घुस गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अमित शुक्ला गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। बाइक पर बैठा दूसरा युवक भी बुरी तरह घायल हो गया।

हार्दिक पांड्या के आउट होने पर बेटे ने क्यों लगाई क्लास? माहिका के सामने इस तरह डांटा

मुंबई। भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल के दौरान हार्दिक पांड्या के रन आउट होने पर उनके बेटे अगस्त्य का मजेदार रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। माहिका शर्मा ने बेटे को शांत कराया। हार्दिक ने मैच में 12 गेंदों पर 27 रन बनाए और गेंदबाजी में दो विकेट लेकर भारत की सात रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। टी20 विश्वकप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारत ने सात रन से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। मैच में जहां खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं स्टैंड्स में बैठा एक छोटा सा फैन भी चर्चा का केंद्र बन गया। यह नन्हा फैन और कोई नहीं, बल्कि हार्दिक पांड्या के बेटे अगस्त्य हैं। हार्दिक पांड्या जब रन आउट होकर पवेलियन लौटे तो अगस्त्य इससे खुश नजर नहीं आए। उनके चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। यही पल कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। अगस्त्य ने पिता को डांटते दिखा! मैच के दौरान अगस्त्य हार्दिक की गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ स्टैंड्स में बैठकर मैच देख रहे थे। जैसे ही हार्दिक पांड्या रन आउट होकर लौटे, अगस्त्य ने आवाज देकर पहले हार्दिक को बुलाया, फिर इशारों में अपनी नाराजगी जाहिर की। छोटे से बच्चे को शायद उम्मीद थी कि उनके पिता नाबाद लौटेंगे।

तीसरी बार यूपी की सत्ता में वापसी करेगी बीजेपी

विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर की तैयारी, संगठन में होगा ये बड़ा बदलाव

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी भी नई टीम के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी का लक्ष्य लगातार तीसरी बार प्रदेश की सत्ता में वापसी करना है। इसके लिए संगठन स्तर पर बड़े बदलाव किए जाने की संभावना है, जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्षों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को छह क्षेत्रों में बांटा हुआ है और हर क्षेत्र में एक क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। ये अध्यक्ष अपने क्षेत्र के जिलाध्यक्षों के कामकाज पर नजर रखते हैं और टिकट के संभावित दावेदारों के नामों की सिफारिश भी करते हैं। यही कारण है कि क्षेत्रीय अध्यक्ष का पद पार्टी संगठन में काफी अहम माना जाता है। अब इन पदों में बदलाव की चर्चा शुरू होते ही नए दावेदारों की सक्रियता भी बढ़ गई है। भाजपा जल्द ही प्रदेश, क्षेत्र और जिला स्तर पर संगठन में बड़े बदलाव कर सकती है। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस समय प्रदेश में जिला इकाइयों के गठन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके साथ ही क्षेत्रीय अध्यक्षों को भी बदले जाने की तैयारी चल रही है। माना जा रहा है कि प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक बदलाव के साथ ही क्षेत्रीय अध्यक्षों में भी फेरबदल का ऐलान किया जा सकता है दरअसल, कुछ क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक कई शिकायतें पहुंची हैं। इनमें अपने करीबी लोगों को बढ़ावा देने और पुराने व समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने जैसे आरोप शामिल हैं। इन शिकायतों के बाद पार्टी नेतृत्व बदलाव करने के मूड में दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का संगठन 1918 मंडलों, 98 संगठनात्मक जिलों और 6 क्षेत्रों में बंटा हुआ है। मंडल अध्यक्षों के अधिकांश नाम घोषित किए जा चुके हैं और अब केवल 70 से 75 मंडल अध्यक्षों की घोषणा बाकी है। वहीं 98 में से 94 जिलाध्यक्षों के नाम घोषित हो चुके हैं। अभी चार जिलों- वाराणसी, चंदौली, देवरिया और अंबेडकरनगर के जिलाध्यक्षों की घोषणा होना बाकी है। जिला इकाइयों के गठन को लेकर पर्यवेक्षकों ने अपनी राय ले ली है और माना जा रहा है कि अगले दो दिनों में उनकी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंप दी जाएगी।

यूजीसी को लेकर सवर्ण मोर्चा का अनोखा प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) से जुड़े मुद्दे को लेकर राजधानी लखनऊ में सवर्ण मोर्चा ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया है। गोमतीनगर क्षेत्र में मोर्चा कार्यकताओं ने घरों के बाहर स्टीकर लगाकर अपना आक्रोश जताया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि वे जल्द ही भाजपा नेताओं से मुलाकात कर उन्हें चूड़ी, बिंदी और कंगन भेंट कर विरोध दर्ज कराएंगे। सवर्ण मोर्चा के कार्यकताओं ने गोमतीनगर के कई इलाकों में घरों के बाहर संगठन के स्टीकर लगाए। इन स्टीकरों के जरिए यूजीसी के मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की गई। मोर्चा पदाधिकारियों का कहना है कि यह अभियान लोगों को जागरूक करने और अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि वे जल्द ही भाजपा के स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान उन्हें चूड़ी, बिंदी और कंगन भेंट कर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया जाएगा। संगठन का कहना है कि यह विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। सवर्ण मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि यूजीसी से जुड़े फैसलों से सवर्ण समाज के एक वर्ग में नाराजगी है। इसी के विरोध में यह अभियान चलाया जा रहा है। मोर्चा के पदाधिकारियों का कहना है कि उनकी मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित किया, हंगामे पर आईसीयू से जिंदा निकली

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज में प्राइवेट हॉस्पिटल ने डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों से डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करा लिया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू किया तो आईसीयू से महिला को जिंदा निकाला गया। स्थिति गंभीर होने पर उसे बलराम अस्पताल फिर वहां से केजीएमयू रेफर किया गया। हालांकि, करीब 6 घंटे बाद महिला को बचाया नहीं जा सका। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना स्थित कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल की है। महिला की पहचान इस्माइल नगर, नगराम निवासी आशु रावत की पत्नी चांदनी कुमारी (22) के रूप में हुई है। गुरुवार को उसने कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेटे को जन्म दिया था। आज, शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे उसकी केजीएमयू में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, चांदनी कुमारी को गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा हुआ। डिलीवरी के लिए दोपहर करीब 12 बजे उसे कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया। शाम करीब 7 बजे उसने ऑपरेशन से बेटे को जन्म दिया। उसके बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। महिला के ससुर अनिल कुमार ने बताया आईसीयू में भर्ती शिफ्ट करने के बाद हॉस्पिटल प्रशासन इलाज के नाम पर बार-बार पैसे जमा कराता रहा। पहले 15 हजार रुपये जमा कराए। फिर 18,500 और 25 हजार रुपए जमा कराए। परिजनों से खून लेकर रातभर चढ़ाते रहे। भाई दिनेश ने बताया आज सुबह डॉक्टरों ने 8 यूनिट और खून चढ़ाने के लिए कहा। सुबह करीब 7 बजे मैंने 8 लोगों को खून देने के लिए बुला लिया। इस बीच हॉस्पिटल का स्टाफ कई तरह की बातें बताकर गुमराह करता रहा, फिर कहा कि तुम्हारे मरीज की मौत हो गई है। उसके बाद डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करवा लिया। महिला की मौत की खबर सुनकर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। हॉस्पिटल प्रबंधन से महिला को दिखाने के लिए कहा। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। हंगामा बढ़ता देखकर हॉस्पिटल प्रबंधन ने महिला को आईसीयू से बाहर निकाला तो उसकी सांसें चल रही थीं। तब तक पुलिस भी पहुंच गई। हॉस्पिटल ने महिला को रेफर किया। उसे एम्बुलेंस से बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उसे केजीएमयू रेफर कर दिया। केजीएमयू में इजाला के दौरान दोपहर करीब 1 बजे महिला की मौत हो गई। महिला की एक साल पहले शादी हुई थी। उसका बेटा स्वस्थ है। परिजनों ने कहा कि यदि कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में सही इलाज होता या समय से रेफर कर दिया जाता तो महिला की जान बच जाती। कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल के लोग पैसा कमाने के चक्कर में लटकाए रहे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नगराम निवासी चांदनी (पत्नी आशु उर्फ अश्विनी कुमार) 9 माह की गर्भावस्था में गुरुवार दोपहर 2.20 बजे भर्ती हुईं। बच्चे की धड़कन असामान्य और प्लेटलेट्स कम थे। परिजनों की सहमति से ऑपरेशन किया गया। बाद में हालत बिगड़ने पर दोबारा ऑपरेशन में स्प्लीनिक एन्यूरिज्म से रक्तस्राव मिला, जिसे कंट्रोल किया गया। यह सिजेरियन से संबंधित मामला नहीं था। स्प्लीनिक एन्यूरिज्म का मतलब होता है तिल्ली की धमनी में असामान्य रूप से गुब्बारे जैसी सूजन या फैलाव। जब तिल्ली तक खून ले जाने वाली धमनी की दीवार कमजोर हो जाती है, तो वह जगह बाहर की तरफ फूल जाती है। इसी स्थिति को स्प्लीनिक आर्टरी एन्यूरिज्म कहा जाता है। अगर यह सूजन फट जाए तो अंदरूनी तेज रक्तस्राव हो सकता है, जो जानलेवा भी बन सकता है।

कांशीराम की 92वीं जयंती पर मायावती दिखाएंगी ताकत, राजधानी में जुटेंगे हजारों कार्यकर्ता

लखनऊ (संवाददाता)। सत्ता का वनवास और अपनी पहचान, विचारधारा व अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही बसपा सुप्रीमो एक बार फिर एक्टिव मोड में नजर आ रह है। चुनाव दर चुनाव हर के बाद भी मायावती ने फिर से कार्यकताओं एंव संगठन को धार देने में जुट गई है। दरअसल, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पार्टी संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती के अवसर पर 15 मार्च को ह्यलखनऊ चलोह्ल का आान किया है। इस दिन राजधानी में बसपा कार्यकताओं और समर्थकों का बड़ा जमावड़ा होने की संभावना है। कार्यक्रम का आयोजन पुरानी जेल रोड स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर किया जाएगा। पार्टी नेताओं के मुताबिक जयंती कार्यक्रम में प्रदेश के 12 मंडलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक लखनऊ पहुंचेंगे। इस मौके पर पार्टी संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को संदेश भी दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बसपा सुप्रीमो मायावती भी लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित कर सकती हैं। हालांकि पार्टी की ओर से उनके कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन कार्यकताओं में इसे लेकर उत्साह देखा जा रहा है। इसी दिन नोएडा में भी कांशीराम की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पार्टी के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद राजस्थान के भरतपुर में एक जनसभा या रैली को संबोधित कर सकते हैं।

गरीबों की दिल खोल कर सहायता करें: मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ (संवाददाता)। रमजानुल मुबारक के तीसरे जुमे को जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में अपने खुतबे में इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने कहा कि अल्लाह के इंआमों में से एक इंआम रमजानुल मुबारक का महीना है जिसमें एक एक नेकी का सत्तर से सात सौ गुना तक अल्लाह तआला अपने बंदों को सवाब देता है, इससे नेकी की ऐसी फिजा और माहौल बन जाता है कि बंदे के दिल का झुकाव बुराई की तरफ कम और अच्छाई की तरफ ज्यादा से ज्यादा हो। इसी मुबारक महीने में रोजे जैसे अहम्तरीन रुक्न-ए-इस्लाम को फर्ज किया कि इसका दिन रोजे की हालत में गुजारा जायेगा, इस में रोजा रखने का बदला अपने लिए खास.किया। इसका पहला अशरा रहमत, दूसरा अशरा मगफिरत और तीसरा अशरा

जहन्नम से छुटकारा है। रमजानुल मुबारक के इस महीने में नेक अमल को आसान बनाने के लिए शैतानों को कैद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कुरान मजीद में तीन तरह के विषय हैं। एक अकीदा कि खुदा पाक पूरी दुनिया का मालिक है। उसने दुनिया को पैदा करके उसको दूसरों के हवाले नही कर दिया है बल्कि वह हर समय पूरी कायनात को अपनी मर्जी के मुताबिक चला रहा है। इस लिए हम सब को अपनी जरूरतें इसी एक मालिक के सामने रखनी चाहिएं। उसका बेहतरीन तरीका दुआ है। दुआ से बन्दे में खाकसारी पैदा होती है जो खुदा पाक को बहुत पसंद है और दुआ न करने से तकब्बुर पैदा होता है जो खुदा पाक को सबसे अधिक नापसंद है। मौलाना ने कहा कि इस माह की बहुत बड़ी बरकत है कि हम ने कुछ रातों में कुरान मजीद सुना। हम पर यह जिम्मेदारी है कि कुरान मजीद के अहकाम से वाकिफ हों। उसके हुकमों पर अमल करें। बाकी बचे हुए दिनों में फर्ज, सुन्नत, नवाफिल, तरावीह और तहज्जुद की पाबन्दी करें। शब-ए-कद्र का एहतिमाम करें।

राजधानी में अगले जुमे होगा बड़ा प्रदर्शन, अमेरिका-इजराइल के खिलाफ एकजुट होंगे मुस्लिम

लखनऊ (संवाददाता)। ईरान पर हुए हमले को लेकर लखनऊ में अगले जुमे बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। आसिफी मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने ईरान की सलामती और शांति के लिए दुआ कराई। चेतावनी दी है कि यदि ये हमले जारी रहे तो हम यहां से अपनी आवाज बुलंद करेंगे। 6 मार्च की नमाज के दौरान बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे और मस्जिद परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। कल्बे जव्वाद के अनुसार, 13 मार्च की नमाज के बाद लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। मौलाना कल्बे जव्वाद ने अपने बयान में कहा कि ईरान पर किया गया हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के खिलाफ है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल को इस पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति और इंसाफ की बात करने वाले देश अगर खुद ऐसे कदम उठाते हैं तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मौलाना ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से वैश्विक तनाव और बढ़ सकता है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने ईरान के मुद्दे पर भारत की चुप्पी को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति और न्याय की बात करता रहा है, ऐसे में इस मामले पर स्पष्ट रुख सामने आना चाहिए। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही घटनाओं पर भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश की आवाज महत्वपूर्ण होती है, इसलिए सरकार को इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आसिफी मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान ईरान और वहां के लोगों की सलामती के लिए विशेष दुआ भी कराई गई। मौलाना ने कहा कि दुनिया में शांति कायम रहे और निर्दोष लोगों को किसी भी तरह की हिंसा का सामना न करना पड़े, यही दुआ की गई है। नमाज के बाद कुछ लोगों ने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारेबाजी भी की और हमले की निंदा की। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि यदि हालात में सुधार नहीं हुआ तो अगले जुमे को अमेरिका और इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

दिल्ली-वाराणसी फ्लाइट लखनऊ डायवर्ट, खराब मौसम के कारण नहीं हो पाई लैंडिंग

लखनऊ (संवाददाता)। दिल्ली से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान (आईएक्स 1225) को शुक्रवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। वाराणसी में खराब मौसम के कारण विमान वहां लैंड नहीं कर सका। इस उड़ान में 90 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। एयर इंडिया एक्सप्रेस की यह उड़ान दिल्ली से सुबह रवाना हुई थी और इसे सुबह 8 बजे वाराणसी पहुंचना था। हालांकि, वाराणसी में शुक्रवार सुबह मौसम खराब होने के कारण विमान एयरपोर्ट पर उतर नहीं सका। विमान ने आसमान में कई चक्कर लगाए, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से उसे लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद उड़ान को लखनऊ एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट कर दिया गया, जहां यह सुबह करीब 8.30 बजे पहुंची। दोपहर 12 बजे तक भी विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर ही खड़ा था। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, वाराणसी का मौसम सामान्य होने के बाद इसे लखनऊ से वाराणसी के लिए रवाना किया जाएगा।

होली व चौत्र नवरात्रि स्पेशल कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। होली और चौत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक, और बड़ी संख्या में खरीदार मौजूद रहे। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए 100 से अधिक मास्टर बुनकरों द्वारा तैयार किए गए एथनिक और पारंपरिक सिल्क व कॉटन हैंडलूम उत्पादों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम और टसर सिल्क जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ आधुनिक डिजाइन के आकर्षक परिधान भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा कश्मीरी प्योर क्रेप की साड़ियां, प्योर सिल्क मार्क अप्रूव्ड साड़ियां तथा कई विशेष हैंडलूम उत्पाद भी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। प्रदर्शनी में आए आगंतुकों ने यहां उपलब्ध वस्त्रों की गुणवत्ता, डिजाइन और विविधता की सराहना की। पारंपरिक शिल्प और आधुनिक फैशन का सुंदर संगम इस प्रदर्शनी में देखने को मिल रहा है, जो फैशन प्रेमियों और पारंपरिक परिधानों के शौकीनों को खासा आकर्षित कर रहा है। आयोजक मानस आचार्य और जावेद मकसूद ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश के बुनकरों को एक मजबूत मंच प्रदान करना और लोगों को भारतीय सिल्क व हैंडलूम की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बुनकरों को अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है और भारतीय हस्तकरघा उद्योग को भी प्रोत्साहन मिलता है। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे प्रदर्शनी में आकर देश के कुशल बुनकरों के हुनर को देखें और भारतीय सिल्क व हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा दें। यह प्रदर्शनी आगामी दिनों तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

नगर निगम के समाधान दिवस में महिला की तबीयत बिगड़ी, लिफ्ट खराब होने से सीढ़ियां चढ़ने पर फूली सांस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस में महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण वह सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंची थीं। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। उसे कुर्सी पर बैठाकर नीचे उतारा गया। 90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंची। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या? समाधान दिवस में मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुछ फरियादियों ने समस्या का समाधान न होने पर नाराजगी जाहिर की। 60 साल के बुर्जुग ने कहा- 8 बार चक्कर लगा चुका हूं। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जान दे दूं क्या? वजीरगंज की रहने वाली राम दुलारी का कहना है कि 15 हजार हाउस टैक्स आया है। इसके कारण परेशानी हो रही। बात करते हुए उन्होंने कहा कि लिफ्ट खराब थी। सीढ़ियां चढ़कर ऊपर गई। इससे सांस फूलने लगी। तबीयत खराब हो गई। ईटीएफ बल के कर्मचारी कुर्सी पर बैठाकर सीढ़ियों से लेकर नीचे पहुंचे। कुछ देर बाद उनकी तबीयत ठीक हुई। दरियापुर, तालकटोरा निवासी विशुना (90) सीढ़ियों से सेकंड फ्लोर पर पहुंचीं। मेयर ने अफसरों को उनकी समस्या दूर करने का निर्देश दिया। दरअसल, उनका एक कमरे का मकान है, जिसका तीन साल से हाउस टैक्स नहीं जमा हुआ है। उनका बिल कुल 972 रुपए आया है। वह राहत देने की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि घर परिवार में कोई नहीं है। अकेले ही आना पड़ा। स्टेशन रोड निवासी 60 वर्षीय अशोक कुमार भार्गव ने अपनी समस्या सुनाई। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर उनकी दुकान 2021 से 2025 तक बंद थी। 2003 से 2013 तक भी दुकान बंद थी। इस दौरान हाउस टैक्स माफ किया गया था, लेकिन अब नहीं हो रहा है। हम ऐसे ही परेशान हैं। अब दुकान खुली तो टैक्स लगा दिया है। डेढ़ लाख रुपए टैक्स लगा दिया गया है। अब आख्या तैयार हो गई है, तो अधिकारी दस्तखत नहीं कर रहे हैं। हार्ट का मरीज हूं। बायपास सर्जरी हो चुकी है। 12 फाइल हमारे मामले की बन चुकी है। इसका गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होना चाहिए। एक फाइल खो भी गई है। नगर निगम से इसका मुकदमा दर्ज होना चाहिए। तकरोही से बब्बन राजभर नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। उनका कहना है कि उनके क्षेत्र में जलकल विभाग में तैनात एक कर्मचारी (बाबू) ने नाली की जमीन पर अतिक्रमण कर उसके ऊपर छत डाल दी है। पिछले 1 साल से दौड़ रहा हूं। नगर निगम की टीम मौके पर जाती है।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो चालक का पार्क के पास मिला शव, परिजन बोले हत्या करके फेंका गया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के इंदिरा नगर के सेक्टर-14 स्थित पार्क में ऑटो चालक का शव संदिग्ध हालात में मिला। शरीर पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है इंदिरा नगर मुंशी पुलिया निवासी राजेश सोनकर (61) ऑटो चालक थे। उनकी पत्नी सुषमा ने बताया कि राजेश गुरुवार सुबह घर से किसी काम की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। शुक्रवार को सेक्टर-14 के एक पार्क में उनका शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि राजेश की हत्या कर शव पार्क में फेंका गया है। बताया जा रहा है कि वह शराब के आदी थे। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके।

दवा लेने जा रही प्रिंसिपल की सड़क हादसे में मौत, ट्रॉमा सेंटर में तोड़ा दम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में मदरसे की प्रिंसिपल की मौत हो गई। वह अपनी शुगर-बीपी की दवाई लेने के लिए घर से पैदल ही निकली थीं। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अंधे की चौकी सिकरौल निवासी फातिमा खान (39) मदरसे की प्रिंसिपल थीं। उनके पति शाहिद अनवर भी उसी मदरसे में पढ़ाते हैं। दो बेटियां हैं। परिजनों के मुताबिक, 3 मार्च की शाम फातिमा घर से दवा लेने के लिए निकली थीं। इसी दौरान वह पैदल सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। बाइक पर तीन युवक सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि फातिमा गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर में पीछे और हाथ-पैर में काफी चोट आई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह उनकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर नहीं मिली है। बाइक को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। घटना स्थल के पास सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

मर्चेंट नेवी अफसर के घर चोरी, जेवरात, नकदी और समेत लाखों का सामान उड़ाया

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज क्षेत्र में एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और महत्वपूर्ण कागजात चुरा लिए। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह पड़ोसियों ने मकान मालिक को फोन पर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। यह मकान मर्चेंट नेवी के चीफ ऑफिसर शैलेंद्र यादव का है, जो डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट के पीछे मोहनलालगंज में स्थित है। शैलेंद्र यादव के भांजे विशेष यादव, जो एक निजी अस्पताल में सुपरवाइजर हैं, वर्तमान में इस मकान में रह रहे थे। विशेष यादव मूल रूप से कानपुर देहात के जैनपुर निवासी हैं। पीड़ित विशेष यादव ने पुलिस को बताया कि वह पिछले चार दिनों से घर पर नहीं थे। इसी दौरान चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवरात, लगभग दस हजार रुपये नकद, मकान की रजिस्ट्री और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। पीड़ित के अनुसार, चोरों ने घर के लगभग हर दरवाजे का ताला तोड़ा और सामान खंगाला। वे आधी बोरी में रखे ड्राई फ्रूट्स भी अपने साथ ले गए। चोरी हुए सामान का विस्तृत विवरण बाद में दिया जाएगा। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश में जुट गई है।

सड़क हादसे में बाइक मैकेनिक की मौत, तेज रफ्तार टैंकर ने मारी टक्कर

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के माल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल मैकेनिक विशाल की मौत हो गई। उन्हें एक तेज रफ्तार टैंकर ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी विशाल अपनी बाइक से रुदान खेड़ा किसी काम से जा रहे थे। रुदान खेड़ा पुलिया के पास सामने से आ रहे भारत पेट्रोलियम के एक तेज रफ्तार तेल टैंकर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विशाल गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तत्काल घायल विशाल को इलाज के लिए सीएचसी माल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने टैंकर को जब्त कर थाने ले गई। विशाल की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान विशाल की मौत हो गई। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया, जिन्होंने अंतिम संस्कार कर दिया। माल पुलिस ने टैंकर के नंबर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक विशाल के परिवार में उनके पिता सुरेंद्र और माता सविता सहित सभी सदस्य गहरे सदमे में हैं। इस घटना से पूरे परिवार में मातम छा गया है।

कूड़ा जलाकर राजधानी के एक्यूआई को और खराब कर रहा खुद नगर निगम

लखनऊ (संवाददाता)। स्वच्छता सर्वेक्षण में राजधानी को नंबर एक बनाने के लिये नगर निगम के साथ सफाईकर्मी जी जान से लगे हुए है। गलियों में सड़कों पर कूड़ा दिखाई न दे इसलिए कूड़े के ढेर को आग लगा कर अपने कर्तव्यों का पूरा पालन कर रहे है। सफाईकर्मियों द्वारा झाड़ू लगाने के बाद कूड़ा उठाने के बजाय उसमे आग लगाना अधिक आसान समझते है। कूड़े के ढेर में आग लगाने की घटनाये सुबह के समय सभी जोन में देखी जा सकती है। बस नगर निगम के जोन अधिकारी, सुपरवायजर को नहीं दिखायी देती है। ताजा मामला जोन-2 के राजाजीपुरम वार्ड का है जिसमे सी-ब्लक स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय के बाहर सफाईकर्मी ने एकत्र ढेर को उठाने के बजाय उसमें आग लगा दी। धुआॅ उठने पर लोगों पानी डालकर आग को बुझाया। राजधानी के तालकटोरा इलाके का ताजा एक्यूआई 180-200 है जो पहले ही इलाके को खतरनाक स्थिति में प्रदूषित कर रहा है उसपर कूड़ा जलाने से और भी प्रदूषण को बढ़ा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51-ए में नागरिकों के ग्यारह वर्णित मौलिक कर्तव्यों में पर्यावरण संरक्षण का विशेष उल्लेख है जिनके पालन की सरकार नागरिकों से अपेक्षा रखती है। परंतु खुद नगर निगम व उसके कर्मचारी पर्यावरण संरक्षण का मजाक बना रहे है। खुले में कूड़ा लनाने की घटनाओं पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भारी जुमार्ने व सजा का प्रावधान है परंतु सभी नगरनिगम में जोन में खुलेआम कूड़ा जलाने वाले कितने नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों पर महापौर व नगर आयुक्त ने जुमार्ना तो दूर की बात एक स्पष्टीकरण ही मांगा हो।

सम्पादकीय

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली-जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं। बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह, वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे। यही वजह है कि जेडीयू में कार्यकताओं का एक वर्ग उनके राज्यसभा में जाने को लेकर निराश है। बहरहाल, अब तक विधान परिषद, बिहार विधानसभा और लोकसभा का सदस्य रहने के बाद, वे राज्यसभा के भी सदस्य बन जाएंगे। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस बिहार की सत्ता में होने वाले बदलाव को जनता के साथ छल बता रही है। इसे जनादेश के विरुद्ध कदम बताया जा रहा है। वहीं आरजेडी की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से बिहार की जनता हतप्रभ है। यह सब भाजपा के विधानसभा में संख्याबल के दबाव में होना था, लेकिन यह इतना जल्दी हो जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। वे इसे जेडीयू के संकुचन की शुरूआत बता रहे हैं।

सुप्रीमकोर्ट में आठवीं की किताब: संस्थागत गरिमा बनाम शैक्षिक स्वायत्तता

अरुण कुमार डनायक

हाल ही में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित एक अध्याय ने व्यापक सार्वजनिक एवं विधिक विमर्श को जन्म दे दिया है। हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायिक व्यवस्था के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार तथा न्यायाधीशों की कमी, जटिल विधिक प्रक्रियाओं और कमजोर अवसंरचना के कारण लंबित भारी बोझ को रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि लगभग 80 हजार मामले सर्वोच्च न्यायालय में, 60 लाख उच्च न्यायालयों में और करीब पांच करोड प्रकरण निचली अदालतों में लंबित हैं। पाठ्यपुस्तक में भ्रष्टाचार का उल्लेख करते हुए न्यायाधीशों की आचार-संहिता, शिकायत-निवारण तंत्र, 1,600 से अधिक शिकायतों तथा महाभियोग जैसी संवैधानिक प्रक्रिया का भी विवरण दिया गया है। इसमें केवल आरोप नहीं, बल्कि जवाबदेही की संरचना भी स्पष्ट की गई है। गंभीर मामलों में संसद श्महाभियोगश द्वारा न्यायाधीश को पदच्युत कर सकती है, यद्यपि यह प्रक्रिया समुचित जाँच और निष्पक्ष अवसर के बाद ही आगे बढ़ती है। यह स्वीकार किया गया है कि विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग कभी-कभी भ्रष्टाचार का अनुभव करते हैं, इसलिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था में विश्वास सुदृढ़ करने के प्रयास जरूरी हैं। विवाद का केंद्र यह नहीं था कि पाठ्यपुस्तक ने न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया, बल्कि यह आपत्ति थी कि भ्रष्टाचार की चर्चा केवल न्यायपालिका के संदर्भ में की गई, जबकि राजनीति, कार्यपालिका और नौकरशाही जैसे अन्य क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं का समतुल्य उल्लेख नहीं था। कपिल सिब्बल

यह स्वीकार किया गया है कि विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग कभी-कभी भ्रष्टाचार का अनुभव करते हैं, इसलिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था में विश्वास सुदृढ़ करने के प्रयास जरूरी हैं। विवाद का केंद्र यह नहीं था कि पाठ्यपुस्तक ने न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया, बल्कि यह आपत्ति थी कि भ्रष्टाचार की चर्चा केवल न्यायपालिका के संदर्भ में की गई, जबकि राजनीति, कार्यपालिका और नौकरशाही जैसे अन्य क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं का समतुल्य उल्लेख नहीं था। कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह तर्क रखा कि इस प्रस्तुतिकरण से एक असंतुलित छवि निर्मित होती है, जो विद्यार्थियों में धारणा बना सकती है, मानो भ्रष्टाचार का प्रश्न मुख्यतरू या विशिष्ट रूप से न्यायपालिका से ही जुड़ा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस विषय को गंभीर बताते हुए कहा कि वे श्किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे।श उन्होंने संकेत दिया कि यह एक श्सुनियोजित और गहनश विषय हो सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में केवल स्वतरू संज्ञान लिया थाय उसने न तो कोई अंतरिम प्रतिबंध लगाया था, न ही पाठ्यपुस्तक पर रोक का आदेश पारित किया था। इसके बावजूद सरकार ने न्यायालय की अंतिम टिप्पणी या विस्तृत सुनवाई की प्रतीक्षा किए बिना पूरी पुस्तक को ही वापस लेने का निर्णय कर लिया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह कदम न्यायिक आदेश के अनुपालन में था, अथवा संभावित असहमति से पूर्व ही आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति का संकेत? लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संवाद की अपेक्षा की जाती है, न कि आशंकाओं के आधार पर त्वरित वापसी की। प्रश्न उठता है कि क्या न्यायपालिका, अधिवक्ताओं व सरकार द्वारा की गई कार्रवाई निष्पक्ष और विवेकपूर्ण थी? यदि पाठ्यपुस्तक में वही तथ्य उल्लिखित थे, जिन्हें स्वयं न्यायपालिका और पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी समय-समय पर स्वीकार करते रहे हैं और जिनके परिप्रेक्ष्य में आत्ममंथन तथा संस्थागत सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है, तो फिर उन्हें हटाना क्या वास्तव में समाधान कहा जा सकता है? अतीत में कुछ न्यायाधीशों पर लगे गंभीर आरोपों ने न्यायपालिका की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े किए हैंकृकर्नाटक उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीडी दिनाकरन पर आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के बाद महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। इसी प्रकार, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से जले हुए नोटों की बरामदगी ने व्यापक सार्वजनिक बहस को जन्म दिया था। ऐसे प्रकरणों में जाँच धीमी संस्थागत प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ती रही, किंतु जनमानस में यह प्रश्न बना रहा कि जवाबदेही त्वरित और दृश्य रूप में क्यों नहीं उभरती। अधीनस्थ न्यायालयों पर यह आरोप उठते रहे हैं कि पेशियों की तिथियाँ बढ़वाने, कार्य-सूची में हेर-फेर करने या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने हेतु रिश्वत का लेन-देन होता है।

और अभिषेक मनु सिंघवी सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह तर्क रखा कि इस प्रस्तुतिकरण से एक असंतुलित छवि निर्मित होती है, जो विद्यार्थियों में धारणा बना सकती है, मानो भ्रष्टाचार का प्रश्न मुख्यतरू या विशिष्ट रूप से न्यायपालिका से ही जुड़ा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस विषय को गंभीर बताते हुए कहा कि वे श्किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे।श उन्होंने संकेत दिया कि यह एक श्सुनियोजित और गहनश विषय हो सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में केवल स्वतरू संज्ञान लिया थाय उसने न तो कोई अंतरिम प्रतिबंध लगाया था, न ही पाठ्यपुस्तक पर रोक का आदेश पारित किया था। इसके बावजूद सरकार ने न्यायालय की अंतिम टिप्पणी या विस्तृत सुनवाई की प्रतीक्षा किए बिना पूरी पुस्तक को ही वापस लेने का निर्णय कर लिया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह कदम न्यायिक आदेश के अनुपालन में था, अथवा संभावित असहमति से पूर्व ही आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति का संकेत? लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संवाद की अपेक्षा की जाती है, न कि आशंकाओं के आधार पर त्वरित वापसी की। प्रश्न उठता है कि क्या न्यायपालिका, अधिवक्ताओं व सरकार द्वारा की गई कार्रवाई निष्पक्ष और विवेकपूर्ण थी? यदि पाठ्यपुस्तक में वही तथ्य उल्लिखित थे, जिन्हें स्वयं न्यायपालिका और पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी समय-समय पर स्वीकार करते रहे हैं और जिनके परिप्रेक्ष्य में आत्ममंथन तथा संस्थागत सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है, तो फिर उन्हें हटाना क्या वास्तव में समाधान कहा जा सकता है? अतीत में कुछ न्यायाधीशों पर लगे गंभीर आरोपों ने न्यायपालिका की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े किए हैंकृकर्नाटक उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीडी दिनाकरन पर आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के बाद महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। इसी प्रकार, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से जले हुए नोटों की बरामदगी ने व्यापक सार्वजनिक बहस को जन्म दिया था। ऐसे प्रकरणों में जाँच धीमी संस्थागत प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ती रही, किंतु जनमानस में यह प्रश्न बना रहा कि जवाबदेही त्वरित और दृश्य रूप में क्यों नहीं उभरती। अधीनस्थ न्यायालयों पर यह आरोप उठते रहे हैं कि पेशियों की तिथियाँ बढ़वाने, कार्य-सूची में हेर-फेर करने या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने हेतु रिश्वत का लेन-देन होता है। विशेष रूप से जमानत संबंधी मामलों में यह धारणा भी व्यक्त की जाती रही है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों के बावजूद निचली अदालतों में अनावश्यक विलंब या कठोरता देखी जाती है। यद्यपि ऐसे आरोप पूरी न्याय-व्यवस्था पर नहीं लगाए जा सकते, लेकिन उनकी पुनरावृत्ति संकेत देती है कि निचले स्तर पर निगरानी और पारदर्शिता को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। न्यायपालिका की वास्तविक गरिमा केवल उच्च आदर्शों से नहीं, बल्कि प्रत्येक स्तर पर निष्पक्षता के प्रत्यक्ष अनुभवों से स्थापित होती है। लोकतंत्र में संस्थाएँ केवल शक्तिशाली नहीं, उत्तरदायी भी होती हैं। यदि किसी संस्था पर लगे आरोपों की चर्चा को ही अवमानना या बदनामी मान लिया जाए, तो विमर्श का दायरा संकुचित हो सकता है। साथ ही, यह भी उतना ही सत्य है कि आलोचना तथ्याधारित, संतुलित और मर्यादित होनी चाहिए। यदि समर्थ संस्थाएँ आलोचनात्मक उल्लेख पर त्वरित दमनात्मक प्रतिक्रिया देंगी, तो यह प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी उदाहरण बन सकती है। एनसीईआरटी एक स्वायत्त शैक्षिक संस्था है, जिसका दायित्व अकादमिक मानकों और विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के आधार पर पाठ्यक्रम निर्धारण करना हैय किंतु समय-समय पर उस पर राजनीतिक अथवा वैचारिक दबावों के आरोप लगते रहे हैं। इतिहास की पुस्तकों में अध्यायों के पुनर्लेखन और विलोपन के विवाद तो चर्चित रहे ही हैं।

भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वक्त में भारत और चीन जैसी शक्तियां भी अमेरिका के निशाने पर होंगी और उनकी यह बात बुधवार को सच साबित होती दिखी। बुधवार 4 मार्च को अमेरिका ने हिंद महासागर के भारतीय क्षेत्र में ईरान का एक युद्धपोत टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया। ईरान के इस युद्धपोत ने हाल ही में भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया था और इसी के बाद वापस लौट रहा था। इस सैन्य अभ्यास को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू-2026 कहा गया, इसकी मेजबानी भारत ने की थी और खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय और ईरानी नौसैनिकों ने एक साथ परेड की थी। लेकिन भारत की संप्रभुता को बड़ी चोट पहुंचाते हुए अमेरिका ने हमला किया और इसमें सफलता का दावा भी किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत अमेरिका ने टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया है। हालांकि, हेगसेथ ने उस ईरानी जहाज का नाम नहीं बताया जिसे डुबोया गया है, जबकि श्रीलंकाई नौसेना ने बताया था कि आईआरआईएस डेना हिंद महासागर में डूब गया है, जिसमें सवार कुल 180 में से लगभग 140 लोग लापता हैं। श्रीलंकाई सरकार ने यह भी कहा कि ईरानी युद्धपोत डेना की ओर से उनके पास एक डिस्ट्रेस कॉल (आपातकालीन संदेश) मिला जिसमें सहायता मांगी गई थी। लेकिन अमेरिका और श्रीलंका की बातों के उलट मोदी सरकार ने पहले इस दावे को श्भ्रामकश बताया। पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, श्एक अमेरिका बेस्ड चौनल में अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैक्ग्रेगर ने कहा कि अमेरिका भारतीय नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए कर रहा है ये दावा बिलकुल $गलत है।श लेकिन सच क्या है ये अब पूरी दुनिया के सामने है। प्रधानमंत्री मोदी इस गंभीर संकट के वक्त भी चुप्पी बरते हुए हैं और सरकार हमले की सीधी निंदा करने की जगह गोल-मोल बातें कर रही है, यह बड़ी चिंता की बात है। क्योंकि अब तक सरकार ने विदेश नीति को पलटने का काम किया था, लेकिन अब तो अतिथि देवो भव के सामान्य शिष्टाचार को निभाने की जहमत भी नहीं उठा रही। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नरेन्द्र मोदी अमेरिका और इजरायल से इतना डर क्यों रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मोदी सरकार को सही सलाह दी है कि, श्अगर हमने ईरानी जहाज को अपने श्मिलनश अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता, तो वह वहां मौजूद नहीं होता। हम इस अभ्यास के मेजबान थे। इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के मुताबिक जहाज किसी भी तरह का गोला-बारूद नहीं ले जा सकते। यानी ईरान का वो जहाज निहत्था था। अमेरिकी पनडुब्बी का हमला पहले से सोचा-समझा था, क्योंकि अमेरिका को इस बात की जानकारी थी कि ईरानी जहाज इस अभ्यास में शामिल है। उन्होंने कहा कि भले ही भारत अमेरिका के इस हमले के लिए राजनीतिक या सैन्य रूप से जिघ्म्मेदार ना हो लेकिन भारत की जिम्मेदारी नैतिक और मानवीय स्तर पर है। अफसोस यही है कि सरकार इस मूलभूत जिम्मेदारी को निभाने से भी बच रही है। यह देखकर अफसोस होता है कि नेहरू जी के गुट निरपेक्ष आंदोलन से लेकर इंदिरा गांधी के बांग्लादेश निर्माण तक भारत ने हमेशा वैश्विक राजनीति में मजबूती का परिचय दिया। कभी किसी महाशक्ति के दबाव में नहीं झुका। इसी परंपरा को आगे सभी प्रधानमंत्रियों ने निभाया, चाहे वे किसी भी दल के हों, हमने अमेरिका के सामने समर्पण नहीं किया। 2013 का देवयानी खोबरागड़े मामला यहां याद आता है, जब मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी राजनयिकों की सुविधाएं छीनकर श्जैसे को तैसाश जवाब दिया था। लेकिन अब आईआरआईएस डेना पर हमले के बाद मोदी सरकार की श्रणनीतिक चुप्पीश ने भारत की साख खतरे में डाल दी है। अमेरिका की इस मनमानी पर चुप रहना एक तरफ अतिथि देवो भव के हमारे संस्कारों का अपमान है और दूसरी तरफ अपनी संप्रभुता की परवाह न करना भी दिखाता है। गौरतलब है कि 10 साल पहले फरवरी 2016 में नरेन्द्र मोदी ने एक पोस्ट में बताया था कि हिंद महासागर क्षेत्र मेरी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है। इसी तरह का बयान पिछले साल नौसेना प्रमुख ने दिया था कि हिंद महासागर का नाम हमारे नाम पर रखा गया है, अगर हम इसका ख्याल नहीं रखेंगे तो कौन रखेगा। तो अब सवाल है कि नरेन्द्र मोदी की नजर में ऐसे बयानों का कोई अर्थ अब है भी या नहीं। खुद को हिंद महासागर का असली रक्षक कहने वाले भारत की श्चुप्पीश क्या उसी कूटनीतिक दबाव और समझौतापरस्त होने का संकेत है, जिस पर राहुल गांधी कहते हैं कि पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड। भारत के लिए यही श्रेयस्कर है कि अपने क्षेत्र में होने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं पर वह मूकदर्शक बनकर नहीं रहे। हमें अपनी स्वायत्तता और मेहमान की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना होगा। हिन्द महासागर में आईआरएस-डेना के डूबने की घटना को युद्ध की कार्रवाई कहकर टाल देना भारत के लिए रणनीतिक भूल होगी।

खामेनेई की विरासत पर सवाल बरकरार

असद मिर्जा

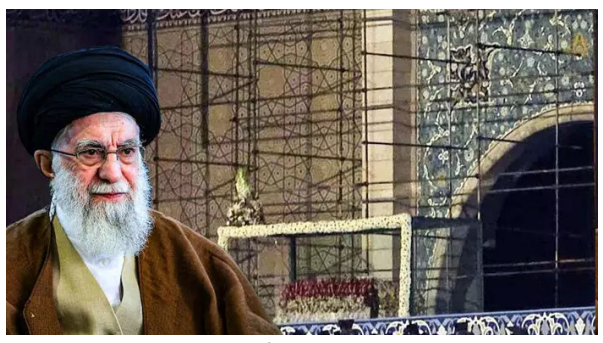

आयतुल्लाह अली खामेनेई (1939-2026), ईरान के दूसरे सर्वोच्च नेता, 28 फरवरी, 2026 को तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हवाई हमले के दौरान मारे गए थे। अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुरूआती घोषणा के बाद, 1 मार्च, 2026 को ईरानी सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि की। खामेनेई को उनके कार्यालय में ऑपरेशन एपिकफ्यूरी नाम के एक संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मार दिया गया था। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर और रक्षा मंत्री समेत कई दूसरे बड़े अधिकारी भी मारे गए थे। ईरान ने 40 दिन का राजकीय शोक और सात सार्वजनिक छुट्टियां घोषित किए हैं। आयतुल्लाह अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं है। ईरानी संविधान के तहत, राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रमुख और गार्डियन काउंसिल के एक सदस्य वाली एक काउंसिल कुछ समय के लिए नेतृत्व की जिघ्म्मेदारी संभालेगी। आयतुल्लाह अली खामेनेई ने 1989 से 2026 तक, 36 साल से ज्यादा समय तक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सर्वोच्च नेता के तौर पर काम किया, जिससे वे मध्य पूर्व में किसी भी देश के सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रमुख बन गए। 1939 में मशहद में जन्मे, आयतुल्लाह खामेनेई 1979 की इस्लामिक क्रांति में एक अहम व्यक्ति थे और 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। एक धर्मशास्त्री होने के नाते,

उन्हें पश्चिम, खासकर अमेरिका और इजराइल के प्रति उनकी गहरी दुश्मनी और उनके पहले के आयतुल्ला हखोमैनी द्वारा बनाए गए धमार्धारित शासन प्रणाली के प्रति उनकी पक्की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। आयतुल्लाह अली खामेनेई के 36 साल के राज ने ईरान को एक ताकतवर अमेरिका-विरोधी शक्ति ताकत बना दिया, जिसने मध्यपूर्वमें अपना सैन्य दबदबा फैलाया, और साथ ही देश में बार-बार होने वाली अशांति को दबाने के लिए सख्ती का इस्तेमाल किया। शुरू में खामेनेई को कमजोर और फैसला न कर पाने वाला कहकर खारिज कर दिया गया था, लेकिन करिश्माई आयतुल्लाहरू होल्लाह खोमैनी, जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑ$फ ईरान की स्थापना की थी, की मौत के बाद सर्वोच्च नेता के लिए उनका चुनाव एक मुश्किल विकल्प लग रहा था। लेकिन देश के शक्ति ढांचे के शीर्ष पर खामेनेई के पहुंचने से उन्हें देश के मामलों पर मजबूत पकड़ मिली। खामेनेई ने लंबे समय तक इस बात से इनकार किया कि ईरान का नाभिकीय कार्यक्रम परमाणु हथियार बनाने के मकसद से था, जैसा कि पश्चिम का कहना था। 2015 में उन्होंने दुनिया की ताकतों और व्यावहारिक राष्ट्रपति हसन रूहानी की सरकार के बीच एक नाभिकीय समझौते का सावधानी से समर्थन किया, जिसने प्रतिबंध में राहत के बदले देश के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगा दी। मुश्किल से हुए इस समझौते के नतीजे के तौर पर ईरान का आर्थिक और राजनीतिक अलगाव कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका के लिए खामेनेई की दुश्मनी कम नहीं हुई। 2018 में यह और बढ़ गई जब ट्रंप की पहली सरकार ने नाभिकीय समझौते से नाम वापस ले लिया और ईरान की तेल और शिपिंग उद्योग को रोकने के लिए फिर से प्रतिबंधलगा दिए। आयतुल्लाह ने अपने पूरे राज में वॉशिंगटन की बुराई की, और वह 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत के बाद भी तीखे हमले करते रहे। अमेरिका के नाभिकीयबातचीत से हटने के बाद, खामेनेई ने उन कट्टर समर्थकों का साथ दिया जिन्होंने रूहानी की पश्चिम के प्रति तुष्टीकरण की नीति की बुराई की थी। जब ट्रंप ने ईरान पर 2025 में एक नयेनाभिकीय समझौते के लिए दबाव डाला, तो खामेनेई ने श्अमेरिका के असभ्य और घमंडी नेताओंश की बुराई की। उन्होंने पूछा, श्आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि ईरान को रेडियोधर्मी तत्वों का परिष्करण करना चाहिए या नहीं? श खामेनेई अक्सर अपने भाषणों में श्महान शैतानश की बुराई करते थे, उन कट्टरपंथियों को भरोसा दिलाते थे जिनके लिए अमेरिका विरोधी भावना 1979 की क्रांति के केंद्र में थी, जिसने ईरान के आखिरी शाह को देश निकाला दे दिया था। अली खामेनेई का जन्म अप्रैल 1939 में नॉर्थ-ईस्ट ईरान के मशहद में हुआ था। 11 साल की उम्र में मौलवी बनने पर उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता सा$फ थी। उन्होंने इराक और ईरान की धार्मिक राजधानी $कोम में पढ़ाई की।

यात्राएं आपका दिल खोलती हैं

मैं 70 वर्ष का हूं और अपनी पत्नी के साथ कहीं घूमने-फिरने जाना चाहता हूं। परिवार के लोग मना करते हैं, लेकिन घूमने की बड़ी इच्छा है, क्या करूं। बुजुर्ग दंपती को मनोवैज्ञानिक सलाहकार नीलकंठ

ने यात्रा प्लान करने संबंधी कुछ अहम सुझाव दिए आपकी इच्छा स्वाभाविक है। नए लोग, नए विचार, नया माहौल-सब मिलकर आपको उम्र से ऊपर उठा देते हैं। पारंपरिक रूप से तीर्थयात्राएं बुजुर्गों का प्रिय गंतव्य स्थल होती थीं, लेकिन अब समय बदल गया है। आवागमन के साधनों ने दूरियां पाट दी हैं। एक समूह की तरह बुजुर्ग भी आनंद के अनुभवों में उतरना चाहते हैं। जिन्हें एक फिल्म 'ऊंचाई' की याद हो, वे जान सकते हैं कि कैसे बुजुर्ग मित्रों की एक यात्रा भावनाओं के ज्वार और रिश्तों के छिपे हुए रहस्य उजागर करती है। लेकिन यदि व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल न हो, तो यात्रा मुसीबत में बदल जाती है। अभी ताजा किस्सा मुंबई का है। वहां के रोटरी क्लब के 60 वरिष्ठ सदस्यों ने असम-मेघालय टूर प्लान किया। एक ट्रेवल प्लानर राहुल को उन्होंने कुल 33 लाख रुपये एडवांस में दे दिए। एक दिन प्लानर ने फोन किया कि बारिश की वजह से टूर रद्द करना पड़ा है, लिहाजा वह पैसे लौटा देगा। उसने चेक दिए। चेक बाउंस हो गए और ट्रेवल प्लानर लापता। बुजुर्गों को तब एहसास हुआ कि वे ठगे गए हैं। यह तो तब है, जब एक प्रतिष्ठित क्लब के सदस्य सामूहिक रूप से छुट्टियां प्लान करने बैठे थे। इसलिए कुछ जरूरी बातों को यदि याद रखें, तो छुट्टी का आनंद वास्तव में ऊर्जा लेकर आएगा। हर प्रस्ताव और विचार को खूब परखें। ट्रेवल प्लान यदि परिचित समूह में हो तो बेहतर। एक जैसे स्वभाव के लोग हों, तो आनंद बढ़ जाता है। टूर गाइडेड ही हों, ताकि गंतव्य पर पहुंच कर अनावश्यक दौड़-भाग न हो। प्रतिष्ठित टूर कंपनी का ही प्लान लें और उसकी जांच करें। वरिष्ठों के कुछ विशेष लाभ हों, तो उनका समावेश करवाएं। व्हीलचेयर से लेकर स्वास्थ्य के हिसाब से खाने तक की बात इन सावधानियों में शामिल रखें। यात्रा का वक्त ऐसा चुनें, जो स्वास्थ्य के अनुकूल हो। लगातार टैक्सी में बैठना, जेट लेग या धूप व तपिश बर्दाश्त करने की क्षमता सबकी अलग-अलग होती है। अकेले बुजुर्ग दंपती यदि यात्रा का प्लान बनाते हैं और घर पर कोई नहीं रहने वाला है, तो सुरक्षा के लिहाज से गोपनीयता बरतें। असामाजिक तत्व खाली मकानों पर घात लगाकर रख सकते हैं। पड़ोसी और विश्वस्त मित्रों को जरूर विश्वास में लें और अपनी योजना इस प्रकार साझा करें कि वे आपके लिए जरूरत पड़ने पर मददगार साबित हों। डॉक्टर की सलाह से ही दुर्गम स्थलों की यात्रा की योजना बनाएं। बेहतर हो प्रकृति का आनंद, स्थानीय संस्कृति का अनुभव और कम थकान देने वाले गंतव्य चुनें। आवश्यक दवाइयां, डॉक्टर की पर्ची, कपड़ों समेत हल्का सामान, तबीयत के मुताबिक थोड़ी खाने की चीजें ही लगेज में हों। खुद को सामान ढोने वाला नहीं, प्रफुल्लित यात्री बनाएं। ट्रेवल बीमा जरूर करवाएं। कई बार लगता है कि यह फालतू खर्च है, लेकिन यह किसी अनहोनी के प्रति सुरक्षा प्रबंध है। सामान खोने, फ्लाइट रद्द होने या मेडिकल इमरजेंसी में यह उपयोगी होता है। इमरजेंसी नंबर सहयात्रियों के साथ साझा करें। क्रेडिट-डेबिट कार्ड, आधार, पासपोर्ट जैसी चीजें अनिवार्य हैं। परिवार के लोगों या करीबी मित्रों के साथ यात्रा के विवरण साझा करते रहें और संपर्क अपडेट करते रहें। यात्रा उत्साह से शुरू करें और आत्मविश्वास से भर कर लौटें। शुभ यात्रा!

प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिलने से खुश नहीं हुए सैमसन ? बताया किसे मिलना चाहिए था ये सम्मान

मुंबई। भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने सेमीफाइनल में मिली जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया। सैमसन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में 42 गेंद की अपनी आक्रामक पारी में 89 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए संजू सैमसन ने कहा कि इस जीत का सबसे ज्यादा श्रेय जसप्रीत बुमराह को मिलना चाहिए। बड़े स्कोर वाले इस मैच मे बुमराह ने चार ओवर में 33 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने मैच के 18वें ओवर में सिर्फ छह रन देकर इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को सात विकेट पर 246 रन पर रोक दिया। सैमसन को गेंदबाजों को दिया जीत का श्रेय अपनी पारी में आठ चौके और सात छक्के लगाने वाले सैमसन ने कहा, हम आज टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और इसका पूरा श्रेय जसप्रीत बुमराह को जाता है। मुझे लगता है कि वह विश्व-स्तरीय गेंदबाज हैं, पीढ़ी में एक बार मिलने वाले गेंदबाज और आज उन्होंने वही दिखाया। दरअसल प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार उन्हीं को दिया जाना चाहिए।

'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो' ; पश्चिम एशिया तनाव के बीच दिशा पाटनी की बहन खुशबू का पोस्ट

लोगों से की ये अपील

पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी बरकरार है। दुनियाभर में इस स्थिति पर रिएक्शन दिए जा रहे हैं। इस बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और पूर्व सेनाधिकारी खुशबू पाटनी ने लोगों को एक सलाह दी है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत में भी लोगों के अलग-अलग रिएक्शन देखे जा रहे हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद देश में कई जगह प्रदर्शन हुए। वहीं, तमाम लोगों ने इस पर आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों के बीच बहस के बीच दिशा पाटनी की बहन व पूर्व सेनाधिकारी खुशबू पाटनी ने लोगों को सलाह दी है कि इस तनाव को धर्म से जोड़कर न देखें। उन्होंने और क्या कहा ? जानिए खुशबू बोलीं- 'ईरान हमारा देश नहीं' खुशबू पाटनी भारतीय सेना में मेजर के पद से रिटायर हैं। इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के बीच वे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लगातार अपने रिएक्शन दे रही हैं। इस बीच उन्होंने आज शुक्रवार को उन्होंने एक पोस्ट साझा कर लोगों को सलाह दी है कि वे भावनात्मक रूप से इस युद्ध से न जुड़ें। इसकी वजह से आपस में बहस में न उलझें। यह धार्मिक युद्ध नहीं है। और, ईरान हमारा देश नहीं है। 'हमें भावनात्मक रूप से कूदने की जरूरत नहीं' उन्होंने लिखा है, 'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो। जब तक भारत सीधे इस ईरान, इस्राइल और यूएसए युद्ध में शामिल नहीं है, हमें इसमें भावनात्मक रूप से कूदने की जरूरत नहीं है। यह कोई धार्मिक युद्ध नहीं है। यह पावर, सिक्योरिटी और क्षेत्रीय प्रभाव का खेल है। इसे धर्म की लड़ाई समझना बहुत बड़ी गलती है। असल में यह जियो पॉलिटिक्स, मिलिट्री रणनीति और और वैश्विक गठबंधन का मामला है, जो आम लोगों की समझ से कहीं ज्यादा जटिल होता है'। खुशबू ने आगे लिखा है, 'सोशल मीडिया पर इसे धर्म बनाकर बेचा जा रहा है, लेकिन देशों के फैसले तेल, शक्ति संतुलन, सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभुत्व से तय होते हैं। ईरान हमारा देश नहीं है। किसी दूसरे देश की राजनीति के लिए अपने ही देशवासियों से लड़ना समझदारी नहीं है।

पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन का अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी के लिए उमड़ा प्यार

शादी के 15 साल पूरे होने पर दी खास अंदाज में बधाई

आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी के लिए एनिवर्सरी की एक बहुत ही प्यारी विश शेयर की, जिसने सबका दिल जीत लिया। साथ में बिताए 15 साल पूरे होने की खुशी मनाते हुए, इस चहेते स्टार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी लाइफ पार्टनर स्नेहा रेड्डी के लिए एक दिल छू लेने वाला मैसेज लिखा। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए अल्लू अर्जुन ने लिखा, हैप्पी एनिवर्सरी, क्यूटी। साथ में 15

साल। तुम्हारे बिना यह सफर ऐसा (इतना खूबसूरत) नहीं हो सकता था। अल्लू अर्जुन अपने फैंस को अपनी निजी जिंदगी की झलकियों से जोड़े रखने के लिए जाने जाते हैं। पुष्पा स्टार उन गिने-चुने एक्टर्स में से हैं जो अपने फैंस को अपने परिवार की तरह मानते हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने भाई अल्लू शिरीष की शादी से पहले के जश्न में भी अपने फैंस को न्योता दिया था, उनका यह अंदाज फैंस के लिए हमेशा यादगार रहेगा। अल्लू अर्जुन और स्नेहा रेड्डी साल 2011 में शादी के बंधन में बंधे थे और तब से वे फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। पिछले कुछ सालों में, उनके रिश्ते की गहराई और मजबूती की अक्सर तारीफ की जाती रही है। यह कपल दो प्यारे बच्चों के माता-पिता भी हैं, जो उनके पारिवारिक पलों को उन फैंस के लिए और भी खास बना देते हैं जो इस स्टार की जिंदगी को करीब से फॉलो करते हैं। काम की बात करें तो, अल्लू अर्जुन के पास कुछ बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें एटली के निर्देशन में बनने वाली सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्म ए।22 और उसके बाद लोकेश कनगराज की ए।23 शामिल हैं।

कैलिफोर्निया में गिरफ्तार हुई ब्रिटनी स्पीयर्स

अरेस्ट के अगले ही दिन पुलिस ने किया रिहा

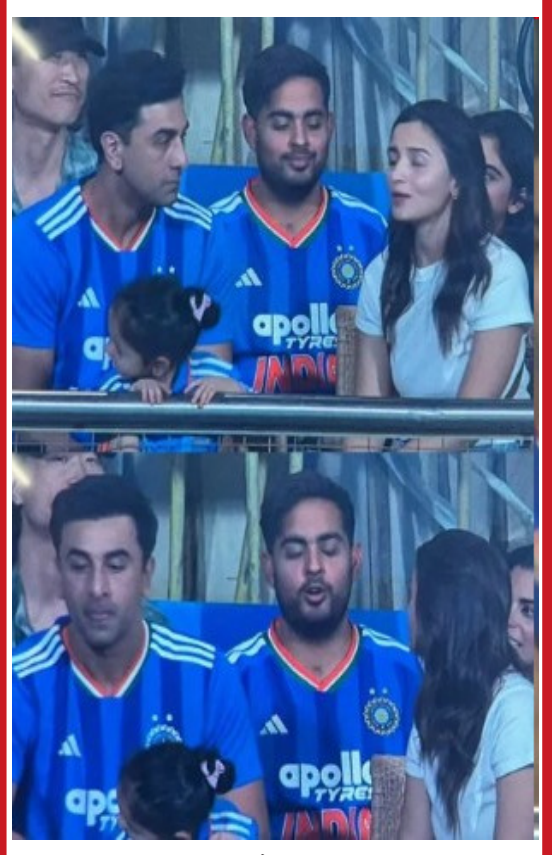

अमेरिकन सिंगर ब्रिटनी स्पीयर्स को लेकर एक शॉकिंग खबर सामने आ रही है। सिंगर को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया और अरेस्ट के अगले ही दिन उन्हें रिहा कर दिया। अब ब्रिटनी को पुलिस ने क्यों गिरफ्तार किया, एक वेबसाइट के मुताबिक हॉलीवुड सिंगर ब्रिटनी स्पीयर्स को बुधवार

रात दक्षिणी कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया। अगली सुबह उन्हें रिहा भी कर दिया गया। अब सिंगर ब्रिटनी को 4 मई को कोर्ट में पेश होना है। अब ब्रिटनी को किस मामले में गिरफ्तार किया गया, इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आए है। ब्रिटनी स्पीयर्स एक जानी मानी अमेरिकन सिंगर हैं। उन्हें प्रिंसेस ऑफ पॉप म्यूजिक कहा था। अपने अपनी सिंगिंग के साथ-साथ बोल्ड अवतार को लेकर भी चर्चा में रहती हैं।

जान्हवी कपूर ने 29वें जन्मदिन की दिखाई इनसाइड तस्वीरें

काटा केक

आज जान्हवी कपूर का 29वां जन्मदिन है। जिसके सिलेब्रेशन की खास तस्वीरें खुद जान्हवी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। फिल्म निमार्ता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर का आज 6 मार्च को 29वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर जान्हवी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने जन्मदिन सेलिब्रेशन की इनसाइड तस्वीरें शेयर की हैं। जान्हवी कपूर ने अपने 29वें जन्मदिन की कई खास इनसाइड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी ऊंची पहाड़ी पर लाल साड़ी में पोज देती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में जान्हवी कुछ औरतों के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर केक की है, जिस पर लिखा है-'हैप्पी बर्थडे लाडो'। इसके अलावा और भी कई शानदार तस्वीरें हैं, जिनमें जान्हवी ने कच्चे आम के अलावा सीढ़ियों की तस्वीर शेयर की है। जानकारी के अनुसार, जान्हवी ने अपने 29वें जन्मदिन पर आंध्र प्रदेश के तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए नंगे पैर लगभग 2150 सीढ़ियां चढ़ीं।

बेटी संग इंडिया-इंग्लैंड का मैच देखने पहुंचे रणबीर-आलिया

मम्मी-पापा के साथ टीम इंडिया को चीयर करती दिखीं नन्हीं राहा

5 मार्च (गुरुवार को) मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सेमीफाइनल मुकाबला हुआ, जहां बॉलीवुड के कई सितारे टीम इंडिया को समर्थन देने पहुंचे। इस बीच बी-टाउन के फेमस कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर

भी अपनी बेटी राहा के साथ मैच देखने पहुंचे, जहां कपल की लाडली टीम इंडिया को चियर करती दिखीं। इस दौरान की उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि नन्हीं राहा अपने पिता रणबीर की गोद में बैठी हैं। इस दौरान राहा खुशी से उछलती हुई ताली बजातीं और टीम इंडिया को चीयर करती दिखीं। उनके इस क्यूट अंदाज ने सबका दिल जीत लिया। वहीं आलिया भट्ट मुस्कुराते हुए बेटी और पति की ओर देख रही हैं। एक और फोटो में रणबीर अपनी बेटी संग बातें करते नजर आए। बता दें, भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सेमीफाइनल मुकाबला देखने रणबीर-आलिया के अलावा वरुण धवन, अनिल कपूर, नीता अंबानी, राधिका मर्चेंट, आकाश अंबानी और श्लोक मेहता जैसे सितारे भी पहुंचे। वहीं, बात करें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के काम की तो दोनों जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में साथ दिखाई देंगे, जिसमें विक्की कौशल भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा रणबीर कपूर अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसमें वह भगवान राम का किरदार निभाएंगे। वहीं आलिया भट्ट के पास फिल्म अल्फा है, जिसमें वह बॉबी देओल और शरवरी बाग के साथ दिखाई देंगी।

वृषकर्मा के इवेंट में नागा चौतन्य के साथ हादसा, कुर्सी पर बैठते ही पट से गिरे एक्टर, वीडियो वायरल

साउथ सिनेमा के चर्चित एक्टर नागा चौतन्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वृषकर्मा को लेकर सुर्कियों में हैं, जिसका वे जमकर प्रमोशन करने में जुटे हुए हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में हाल ही में एक एक इवेंट में पहुंचे, जहां उनके साथ एक हादसा हो गया। घटना कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। दरअसल, नागा चौतन्य हा ही में एक कार्यक्रम के दौरान स्टेज पर रखी कुर्सी में जैसे ही बैठे तो वह पलट गई और एक्टर पीछे की ओर गिर पड़े। आस-पास खड़े लोगों ने उन्हें तुरंत संभाला। इस घटना को नजरअंदाज कर नागा मुस्कुराने लगे और फिर इवेंट शुरू हुआ। नागा चौतन्य का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो देख उनके फैंस भी शॉक्ड हो गए और अपने तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। अपकमिंग फिल्म वृषकर्मा की बात करें इस फिल्म में नागा चौतन्य लीड रोल में नजर आएंगे। फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आप एक सच्चे लीडर की तरह बात कर रहे, दिग्गज कमेंटेटर इयान बिशप ने क्यों की सैमसन की तारीफ

मुंबई। संजू सैमसन की यह लगातार दूसरी मैच विजयी पारी थी। इसलिए जब वह प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार लेने पहुंचे तो प्रेजेंटर के तौर पर मौजूद वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी इयान बिशप ने उनकी जमकर तारीफ की। इसके बाद सैमसन ने कुछ ऐसा कहा जिससे बिशप भावुक हो गए और उन्होंने संजू को लीडर बता दिया। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को सात रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। संजू सैमसन ने लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया और उन्हें उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। संजू सैमसन की यह लगातार दूसरी मैच विजयी पारी थी। इसलिए जब वह प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार लेने पहुंचे तो प्रेजेंटर के तौर पर मौजूद वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी इयान बिशप ने उनकी जमकर तारीफ की। बिशप ने सैमसन को लगातार दूसरे प्लेयर ऑफ द मैच के लिए बधाई दी। इसके जवाब में सैमसन ने कहा, 'जीत का सारा श्रेय जसप्रीत बुमराह को जाता है। वह एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। ऐसे गेंदबाज जेनरेशन में एक बार आते हैं। उनका इस मैच में प्रदर्शन ऐसा ही था। प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड असल में उन्हें जाना चाहिए। अगर हमने डेथ ओवर्स में वैसी बॉलिंग नहीं की होती, तो मुझे लगता है कि मैं यहां खड़ा नहीं होता।' सैमसन की इस बात को सुनकर इयान बिशप काफी प्रभावित हुए और उन्हें एक सच्चा लीडर बताया।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में नहीं घटेंगे आईपीएस के पद

पीएमओ की सलाह के बाद होगा 'नियमों में बदलाव'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) में 'आईपीएस' अफसरों की प्रतिनियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार, वैधानिक संशोधन की तैयारी में है। अब यह मामला, गृह मंत्रालय से 'पीएमओ' में जा चुका है। पीएमओ की सलाह के बाद ही आईपीएस प्रतिनियुक्ति के 'नियमों में बदलाव' होगा। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि फिलहाल पीएमओ, किसी भी तरह से केंद्रीय बलों में आईपीएस की प्रतिनियुक्ति का कोटा घटाने के मूड में नहीं है। इसके पक्ष में सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया है। साथ ही अर्धसैनिक बलों के कैडर अफसर, जो पदोन्नति के मोर्चे पर पिछड़ रहे हैं, उन्हें भी कुछ राहत दी जा सकती है। सीएपीएफ अफसरों के कैडर रिव्यू में विभिन्न रैंकों के लिए तय अपग्रेडेशन के प्रतिशत में बढ़ोतरी किए जाने की उम्मीद है। क्यों पड़ रही वैधानिक संशोधन की जरुरत ... पिछले साल 23 मई को सीएपीएफ कैडर अफसरों के करियर प्रोग्रेशन के संबंधित एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सीएपीएफ में 'एसएजी' (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) स्तर तक के पदों पर आईपीएस की प्रतिनियुक्ति को सरकार, अगले दो साल में धीरे-धीरे कम करे। इन बलों में आईपीएस के चलते सीएपीएफ के कैडर अधिकारी, पदोन्नति में पिछड़ जाते हैं। उन्हें नेतृत्व का अवसर नहीं मिल पाता। इन बलों में केवल एनएफएफयू (नॉन फंक्शनल फाइनेंशियल अपग्रेडेशन) के लिए नहीं, बल्कि सभी कार्यों के लिए 'संगठित समूह ए सेवा' (ओजीएएस) पैटर्न' लागू हो। छह महीने में 'कैडर रिव्यू' हो। सरकार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 'पुनर्विचार याचिका' दायर की, मगर वह भी खारिज हो गई। अवमानना केस में सरकार को नोटिस जारी हो गया। अब सरकार के पास, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए वैधानिक संशोधन के अलावा दूसरा विकल्प नहीं बचा है। सभी रैंकों में आईपीएस प्रतिनियुक्ति का कोटा बना रहेगा ... फिलहाल केंद्रीय बलों में आईपीएस प्रतिनियुक्ति का कोटा डीआईजी स्तर पर 20-25 प्रतिशत, आईजी स्तर पर 50 प्रतिशत और एडीजी स्तर पर 75 प्रतिशत तय है। अब इन पदों में कटौती नहीं होगी। गत वर्ष सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विपरित केंद्र में आईपीएस प्रतिनियुक्ति की संख्या बढ़ा दी गई। गत जून माह के दौरान केंद्र में 678 आईपीएस थे, दिसंबर में यह संख्या 700 के पार चली गई। आईपीएस की संख्या कम होने की जगह बढ़ गई। पीएमओ में कई प्रपोजल पर विचार के बाद यह निर्णय लिया गया है कि आईपीएस के पदों में कटौती न की जाए। यानी मौजूदा कोटा बना रहेगा। अब यह देखने वाली बात है कि सरकार किस तरह से नियमों में बदलाव करती है।

राज्यपालों के फेरबदल पर तृणमूल कांग्रेस का सरकार पर हमला, कहा- राजभवन बन गए हैं भाजपा के वॉर रूम

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में गवर्नरों के हालिया फेरबदल को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। पार्टी का आरोप है कि यह कदम संवैधानिक संघवाद की भावना के खिलाफ है। पश्चिम बंगाल में आर एन रवि की नियुक्ति और सी वी आनंद बोस के इस्तीफे ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कई राज्यों में राज्यपालों के फेरबदल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि यह फेरबदल मोदी सरकार के संवैधानिक संघवाद के प्रति अनादर को दर्शाता है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राजभवनों को भाजपा के वॉर रूम में बदल दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार देर रात कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपाल बदल दिए। इस बड़े फेरबदल के तहत आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल बनाया गया है। उन्होंने सी.वी. आनंद बोस की जगह ली है। आनंद बोस ने गुरुवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। टीएमसी नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा कि राज्यपालों की नियुक्ति में राज्य सरकारों को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सरकारिया और पुंछी कमीशन की सिफारिशों का हवाला दिया। रॉय के मुताबिक, इन रिपोर्टों में साफ कहा गया है कि राज्यपाल चुनने के लिए एक पैनल बनना चाहिए। साथ ही संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से सलाह लेना जरूरी है। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए बिना पूछे नया राज्यपाल चुनना गलत है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से ठीक पहले आनंद बोस का इस्तीफा चर्चा का विषय बन गया है। बोस ने फोन पर बताया कि वह साढ़े तीन साल से बंगाल के राज्यपाल थे और अब उनके लिए इतना समय काफी है। हालांकि, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में राजनीतिक फायदे के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने बोस पर दबाव डाला होगा।

एपस्टीन से जुड़े नए खुलासे में ट्रंप का नाम

महिला का दावा किशोरावस्था में उसके साथ किया शोषण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एपस्टिन फाइल्स में नए खुलासे में एक महिला ने डोनाल्ड ट्रंप पर किशोरावस्था में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। व्हाइट हाउस ने आरोपों को निराधार बताया, जबकि मामले पर राजनीतिक विवाद बढ़ गया। एपस्टीन फाइल्स को लेकर हुए खुलासों ने पूरी दुनिया को एक घिनौने राज से अवगत कराया। जब-जब इस मामले में नए खुलासे और नाम सामने आते हैं, वह सभी को चौंका देने वाले होते हैं। बड़े से बड़े हस्तियों से लेकर नेता और अभिनेता सभी पर इस मामले में आरोप लगे हैं। न्याय विभाग ने गुरुवार को इस मामले में एक महिला के साथ साक्षात्कार के बाद कुछ और बातें सामने आई हैं। साक्षात्कार को तीन भाग में जारी किया गया है, जिसमें महिला ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह खुलासा न्याय विभाग की तरफ से ऐसे समय पर किया गया है जब डेमोक्रेट्स उस पर राष्ट्रपति से जुड़ी सामग्री छिपाने का आरोप लगा रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने इन आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताया। साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रम्प से जुड़े कई दावे किए गए हैं। साक्षात्कार में ट्रंप से जुड़े पांच सबसे महत्वपूर्ण दावे किशोरी ने लगाया यौन शोषण का आरोप महिला ने जांचकताओं को बताया कि जब वह 13 से 15 वर्ष की थी, तो एपस्टीन एक बार उसे न्यूयॉर्क या न्यू जर्सी ले गया था। वहां एक बड़ी इमारत में उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से हुई थी। बयान के अनुसार कथित यौन शोषण से पहले ट्रम्प ने कमरे में मौजूद सभी लोगों को बाहर जाने के लिए कहा। महिला ने अपना बचाव करते हुए ट्रम्प को काट लिया। जिसके बाद लोग कमरे में आ गए। महिला ने बताया कि इसके बाद ट्रम्प दो बार फिर उससे मिले। लेकिन उसके बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। ट्रम्प और एपस्टीन के बीच ब्लैकमेल का दावा महिला ने आगे आरोप लगाया कि उसने एपस्टीन और ट्रम्प के बीच बातचीत को सुना था। उसने एपस्टीन और ट्रम्प के बीच ब्लैकमेल को लेकर हुई बातचीत सुनी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि ट्रम्प ने 'कैसिनो के माध्यम से पैसे की हेराफेरी' के बारे में बात की थी और आरोप लगाया कि एपस्टीन के ब्लैकमेल के बारे में उनके करीबी लोगों को पता था। ट्रम्प और एपस्टीन के बीच ईर्ष्या के आरोप महिला ने आगे गवाही में बताया कि उसने दोनों पुरुषों के बीच तनाव महसूस किया। उसने दावा किया कि ट्रम्प कभी-कभी एपस्टीन से जलते थे। हालांकि सार्वजनिक रूप से वे एक जैसा व्यवहार करते थे। गवाही के अनुसार, कथित तौर पर दोनों ने लड़कियों के बारे में बात करते समय 'ताजा मांस', 'कलंकित' और 'निष्पक्ष' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। अश्लील तस्वीरों से जुड़े ब्लैकमेल के आरोप गवाह ने आरोप लगाया कि एपस्टीन ने यौन संबंधों के दौरान उसकी अश्लील तस्वीरें लीं और बाद में तस्वीरों से उसकी मां को ब्लैकमेल किया। महिला ने बताया कि एपस्टीन और उसके सहयोगी जिम एटकिंस ने तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी दी थी। जिसके बाद उसकी मां को रियल एस्टेट कंपनी से पैसे निकालकर तस्वीरों के बदले देने पड़े। जिसके कारण उसकी मां को जेल जाना पड़ा। एपस्टीन के नेटवर्क और दुर्व्यवहार के बारे में आरोप महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसके साथ छह से बीस बार यौन शोषण किया था। और कभी-कभी अन्य धनी पुरुष भी मौजूद थे। महिला ने दावा किया कि एपस्टीन इन मुलाकातों के दौरान उन्हें नशा करता था। कभी-कभी उसे नई लड़कियों को भर्ती करने के लिए भी भेजा जाता था।

वेल्स की राजकुमारी होली कार्यक्रम में हुई शामिल, पारंपरिक भारतीय इयररिंग्स पहने

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वेल्स की प्रिंसेस केट मिडलटन लीसेस्टर में भारतीय समुदाय संग होली मनाने पहुंचीं। उन्होंने सफेद परिधान और भारत में बने डीना इयररिंग्स पहने, साथ ही उन्हें गुलाब-मोतियों की पारंपरिक माला भेंट की गई। वेल्स की प्रिंसेस, केट मिडलटन 5 मार्च को लीसेस्टर में होली के मनाने के लिए पहुंची थी। वह सफेद रंग के परिधान में यहां पहुंची। लेकिन परिधान से ज्यादा ध्यान उनके द्वारा पहने गए गहनों ने आकर्षित किया। केट ने सेजेन ब्रैंड के डीना इयररिंग्स पहने थे। यह ड्रॉप्स इयररींग डिजाइन में बने थे। इसे पीतल के पुनर्चक्रण और सोने की परत चढ़ाकर तैयार किया गया था। केट ने इन इयररिंग्स को राल्फ लॉरेन प्लीटेड क्रीम ड्रेस पहनी थी। ड्रेस को सैविल रो के टेलर क्रिस केर के कोट के साथ पहना गया था। उन्होंने ये कपड़े 2023 क्रिसमस पर भी पहने थे। ये इयररिंग्स भारत में तैयार किए गए थे। इसे भारतीय कारीगरी और पारंपरिक से बनाया गया था। ब्रांड की वेबसाइट पर इसकी कीमत 50 डॉलर लगभग 4,582 रुपए है। ब्रिटिश वोग ने 5 मार्च के इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक व्यक्ति ने लिखा, #ढ१ल्लीू२२डाहं'ी२ आज होली के एक दिन बाद लीसेस्टर गईं, ताकि शहर में भारतीय समुदाय के साथ जश्न मना सकें। इस मौके पर, राजकुमारी ने पूरी तरह से सफेद रंग के कपड़े पहने, जिसके बाद उन्हें गुलाब की माला भेंट की गई। आकाश ओडेड्रा कंपनी, एक साउथ एशियन डांस ऑर्गनाइजेशन में पहुँचने पर, केट को एक पारंपरिक भारतीय माला दी गई जो ताजे लाल गुलाब और मोतियों से बनी थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106–टेली/टेंडर/29/2025–26
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल उत्तर रेलवे के कम इन्सुलेशन वाले 6 क्वाड केबल और आपातकालीन सॉकेट की मरम्मत का कार्य।
अनुमानित लागत	रू 5,05,83,377.07/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रू 4,02,900.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	300 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	24/03/2026 at 15:30 hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू०सं०–106–टेली/टेन्डर/29/2025–26 दिनांक: 03.03.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 737/26

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO-MCDA-MX-143-24-1 (Parking Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	27.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	14.03.2026 समय 10:30 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.03.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO-LKO-PR-178-26-1 (Parking Premium)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	27.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	14.03.2026 समय 10:30 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	14.03.2026 समय 11:10 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO-MBDP-TW-179-26-1 (Parking Two Wheeler)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	17.03.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.03.2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO-MFKA-MX-149-24-1 (Parking Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	17.03.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.03.2026 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO-GGL-MX-158-26-1 (Parking Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	17.03.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.03.2026 समय 11:50 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO-KHNM-MX-144-24-1 (Parking Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	17.03.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.03.2026 समय 12:00 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

765/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई के खात्मे का प्लान, इस्राइली रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

यरुशलम (एजेंसी)। यरूसलम पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से बताया गया है कि नवंबर की शुरूआत में ही ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला किया था। इसी के साथ शुरू में इस मिशन को लगभग छह महीने बाद अंजाम देने का इरादा था। हालांकि ईरान में हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते इस योजना को आगे बढ़ाया गया। इस्राइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला पिछले साल नवंबर में ही ले लिया था। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन को मूल रूप से लगभग छह महीने बाद यानी 2026 के मध्य तक पूरा करने की योजना थी। उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक में लिया फैसला रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने गुरुवार को बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चैनल एन12 को बताया, 'नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था।' ईरान की घरेलू अशांति के बाद बढ़ाई समय सीमा रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय-सीमा को बढ़ाया गया। इस्राइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इस्राइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इस्राइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है। 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' का हिस्सा खामेनेई की हत्या शनिवार को शुरू हुए 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' के शुरूआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इस्राइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले 'अस्तित्वगत खतरे' को खत्म करना और 'शासन परिवर्तन' को सुविधाजनक बनाना है। ईरान पर लगातार हवाई हमले जारी इस बड़े हमले के बाद इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपने हवाई अभियान को और तेज कर दिया है। गुरुवार को क्ऊऋने घोषणा की कि उन्होंने तेहरान में 12वीं लहर के हमले पूरे कर लिए हैं, जिसमें ईरान की प्रमुख सुरक्षा और सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। अलबरज प्रांत में विशेष इकाई का मुख्यालय निशाना उच्च-प्राथमिकता वाले लक्ष्यों में अलबरज प्रांत में एक विशेष इकाई का मुख्यालय शामिल था, जो सभी आंतरिक सुरक्षा बलों के लिए जिम्मेदार है। इस्राइल वायु सेना (क्अऋ) ने कहा, 'आईडीएफ ने तेहरान में हमलों की 12वीं लहर पूरी की 'अलबरज' प्रांत में ईरानी आतंकवादी शासन की विशेष इकाई का मुख्यालय, साथ ही बासिज बल के ठिकानों और आंतरिक सुरक्षा पर हमला किया गया।' आईडीएफ ने एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में पुष्टि की है कि अलबरज मुख्यालय क्षेत्र की सभी विशेष इकाइयों को कमांड करता है।

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध, समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्रोजेक्ट का भारी विरोध हो रहा है। एक सरकारी पैनल की मीटिंग में लोगों ने इसे गैर-जरूरी बताया। 400 मिलियन डॉलर के इस प्रोजेक्ट के लिए अमीर डोनर्स से पैसा लेने पर भी सवाल उठे हैं। पैनल 2 अप्रैल को इस पर फैसला लेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत बड़ा और बेकार बताया।

अमेरिका की 'आंख' पर हमला, 5000 किमी रेंज वाला वार्निंग सिस्टम तबाह

दोहा (एजेंसी)। ईरान का इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ पलटवार जारी है। अमेरिका को चोट पहुंचाते हुए ईरान खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इस बीच कथित तौर पर कतर स्थित अमेरिकी बेस पर प्रहार कर अमेरिका को ईरान ने बड़ा झटका दिया है। ईरानी मिसाइल और ड्रोन ने अरबों डॉलर की कीमत वाले रडार को नष्ट कर दिया। सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए सैन्य बेस को भारी नुकसान की जानकारी सामने आई है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक ऐसा हमला किया है, जिसे अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने कतर में स्थित अमेरिका के एक प्रमुख मिसाइल वार्निंग रडार सिस्टम को निशाना बनाया है, जिसकी रेंज 5000 किलोमीटर बताई जा रही है। इस हमले को अमेरिका के लिए 'बड़ा नुकसान' करार दिया जा रहा है। यह खबर ऐसे वक्त पर सामने आई है, जब अमेरिका ने हिंद महासागर में एक ईरानी पोत को डूबो दिया, जिसमें 80 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्म्स (IRGC) द्वारा किए गए इस हमले ने कतर में तैनात अमेरिकी सेना की मिसाइल चेतावनी प्रणाली को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस प्रणाली को क्षेत्र में अमेरिका की 'आंख' के रूप में देखा जाता था, और यह अमेरिकी मिसाइल रक्षा नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। लगभग 1.1 अरब डॉलर की लागत वाला यह रडार सिस्टम, संभावित मिसाइल हमलों का समय रहते पता लगाने की अमेरिका की क्षमता को कमजोर कर सकता है। सैटेलाइट तस्वीरों से पुष्टि और हमले का तरीका अंतरिक्ष से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों ने अमेरिकी सैन्य ढांचे को हुए नुकसान की पुष्टि की है। प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी इन तस्वीरों में अमेरिकी स्पेस फोर्स के अठ/ऋढर-132 (ब्लॉक 5) बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के आसपास क्षति और आग बुझाने की गतिविधियां दिखाई दी हैं।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।